हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 335, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 24 मई, 2022 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

टूंडला से वाराणसी घूमने आए पांच दोस्तों की गंगा में नाव पलटी, नाविक सहित 4 की मौत

अचानक नाव में भर गया पानी, नाव पलटी और सभी गंगा में समा गए

प्रखर वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रभु घाट के पास गंगा की बीच धारा में सोमवार को नाव पलट गई। जिसके बाद हड़कंप मच गया। बता दें कि नाव में सवार 6 लोगों में से दो को बचा लिया गया है, 4 की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नाव पर सवार होकर गंगा के बीच धार में घूमने गए थे, अचानक नाव में पानी भर गया। नाव पलट गई और वह सब गंगा में समा गए। आनन-फानन में 2 को बचा लिया गया। लेकिन 4 लापता हो गए। बताया जा रहा है कि नाव में छेद होने से पानी भरने लगा, इसके पहले कि लोग कुछ समझ पाते तब तक नाव डूब गई। घाट पर मौजूद शंभू साहनी का कहना है कि नाविक सहित आधा दर्जन लोग नाव में सवार से 4 लोग डूब गए 2 लोगों को बचा लिया गया है, जिसमे चार की मौत हो गई। बताया जाता है कि नाविक सहित छह लोग सवार थे। नाव में सवार फिरोजाबाद के टुंडला निवासी केशव ने बताया कि नाव में छेद था। पानी भरने से हादसा हुआ है। 5 दोस्त फिरोजाबाद के टुंडला से वाराणसी

घूमने आए थे। सभी नाविक शनि की नाव पर सवार हुए थे। अचानक नाव डगमगाने लगी और पलट गई। आसपास की नावों पर सवार लोगों ने दो लोगों को बचा लिया। कुछ लोगों को नाविक शनि ने बचाने की कोशिश की लेकिन एक साथ तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया। इससे अन्य के साथ वह भी डूब गया। हादसे की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन के गोताखोर और जल पुलिस लापता हुए लोगों की तलाश में जुट गए। थोड़ी ही देर में नाविक शनि समेत तीन शवों को बरामद कर लिया गया। पुलिस की मानें तो अभी तक ये बात सामने आ रही है कि नाव सवार सभी लोग शराब के नशे में थे। केशव और पवन को बचाया गया है। केशव ने बताया कि वह मरुधर एक्सप्रेस ट्रेन में पैंट्री कार का संचालक है।हादसे में नाविक शनि (55) समेत टुंडला के अनस (20) और इमामुद्दीन (30) की डेड बॉडी मिली है। पुलिस का कहना है कि सभी के परिवार वालों से बात कर सूचना दे दी गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। परिवार वालों के आने के बाद उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। अभी लापता संजय (36) की तलाश चल रही है।

आंधी और बारिश से बदला मौसम का मिजाज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के क्षेत्रों में सोमवार सुबह जमकर बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भीषण बारिश और कानपुर में तेज आंधी के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को भविष्यवाणी की कि 23 मई और इसके आगे भी उत्तर पश्चिमी भारत और मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि पश्चिम राजस्थान को छोड़कर अगले 5 दिनों के दौरान देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की कोई संभावना नहीं है। पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में 26 और 27 मई को लू चल सकती है। वहीं, आज उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भी आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। 23 और 24 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी ओलावृष्टि की संभावना है। 23 मई को पंजाब, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि की संभावना है। इसके साथ ही सोमवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी भारी बारिश की संभावना है।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में जिला जज की अदालत में सुनवाई पूरी, कल भी चलेगी सुनवाई की कार्यवाही

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी की दैनिक पूजा-अर्चना की अनुमति और अन्य देवी-देवताओं के विग्रहों को संरक्षित करने को लेकर दायर वाद की सुनवाई सोमवार को जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेस की अदालत में दोपहर दो बजे शुरू हो गई। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पहले यह तय होगा कि मामला आगे सुनवाई योग्य है या नहीं। साथ ही मंदिर पक्ष, जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) के प्रार्थना पत्र और अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की आपत्ति पर सुनवाई की गई। मुकदमे की सुनवाई के दौरान पूरे कचहरी परिसर में सुरक्षा की कड़ी व्यस्था रही। वहीं अदालत कक्ष में वादी-प्रतिवादी के पक्षकारों और उनके वकीलों को छोड़ किसी अन्य के जाने पर दोपहर दो बजे रोक लगा दी गई। हरिशंकर पांडेय एडवोकेट ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद असुद्दीन ओवेशी, अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के सचिव समेत आठ के खिलाफ अदालत में दी अर्जी। हरिशंकर पांडेय ने समाज में धार्मिक विद्वेष फैलाने, मानसिक व धार्मिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए सभी के खिलाफ कार्रवाई की अदालत से अपील की है। वहीं वादी - प्रतिवादी पक्ष की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों में पहले किस प्रार्थना पत्र की सुनवाई की जाएगी इसका

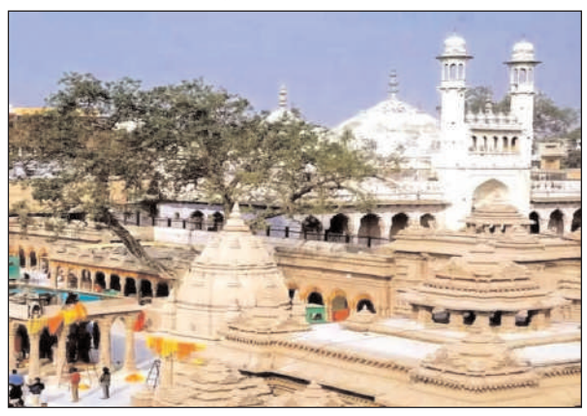

निर्धारण जिला जज द्वारा किया जाना है। अब ज्ञानवापी प्रकरण में सुनवाई जारी रहने के बीच मंगलवार तक के लिए सुनवाई टाल दी गई है। मंगलवार को अब तय होगा कि पहले किस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करनी है। वहीं दूसरी ओर इसी मामले में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के महंत परिवार के मुखिया डा. कुलपति तिवारी ने भी ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की पूजा के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस मामले में पूर्व में ही उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद क्षेत्र को महंत परिवार की संपत्ति होने का दावा किया था। इस मामले में वह भी मस्जिद में प्राप्त हुए शिवलिंग को पूजा करने के लिए वादी बनने की तैयारी में हैं। इस बाबत सुबह से ही अदालत परिसर में गहमागहमी का दौर शुरू हो गया। दस बजे कोर्ट खुलने के साथ ही सभी पक्ष अदालत की कार्यवाही को लेकर मंथन में जुट गए। इस मामले में दो दिन पूर्व ही जिला जज की अदालत में केस से जुड़ी सभी फाइलें ट्रांसफर कर दी गई हैं। इस प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आठ सप्ताह में जिला जज को सुरवाई पूरी करने का निर्देश जारी किया है। इस लिहाज से सोमवार को सुनवाई का पहला दिन होगा। सुनवाई के दौरान वादी और प्रतिवादी दोनों ही पक्ष मौजूद रहेंगे। इसको लेकर रविवार को भी दोनों पक्ष अदालती कार्यवाही को लेकर तैयारियां करते रहे। अदालत में होने वाली सुनवाई को लेकर अब परिसर में गहमागहमी को देखते हुए सुबह ही परिसर में सुरक्षा कड़ी करने के साथ ही अधिकारियों की भी तैनाती कर दी गई है।

अखिलेश को राजभर की सलाह, एसी कमरे से निकलकर जनता व कार्यकर्ता के बीच जरूर जाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने विधानमंडल के बजट सत्र

के पहले ही दिन सदन से बाहर बड़ा बम फोड़ा है। समाजवादी पार्टी सहित अन्य दलों के साथ मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की योजना तैयार करने वाले ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को संगठन पर पकड़ मजबूत करने की सलाह देने के साथ ही इसका तरीका भी बताया है। विधान भवन के मंडप में बजट सत्र में पहले ही दिन की कार्यवाही से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे ओमप्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को बड़ी सलाह दे डाली है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जी आप सौ-सौ मीटर की दूरी भी गाड़ी से तय करते हैं, यह ठीक नहीं है। कम से कम सौ मीटर तो पार्टी के कार्यकताओं के साथ चलें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता हमसे मिलकर कहते हैं कि जैसे आप घर से निकलकर जनता के बीच में जाते हैं, वैसे ही हमारे नेता को भी कहिए कि वह भी ऐसा करें। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपने कमरे से बाहर निकलकर जनता के बीच में जाने की जरूरत है। उन्हें संगठन को गति देने की जरूरत है। ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि आप अब प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और कार्यकताओं के साथ नौकरशाहों वाला व्यवहार मत करिए। आप तो सौ मीटर भी गाड़ी से जाते हैं। सौ मीटर की दूरी पैदल तय कर आप तो अपनी पार्टी के दस हजार कार्यकताओं का दिल जीत सकते हैं। राजभर इतने पर ही नहीं रुके और कहा कि आप को एयर कंडीशनर की हवा लग गई है। आप को कार्यकताओं के बीच आना चाहिए और उनसे मुलाकात करनी चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सच तो बड़ा कड़वा होता है।

थाने में घुसकर भाजपाइयों ने पुलिसकर्मियों पर बोला हमला, लाठी-डंडों से पीटा, दारोगा पर पिस्टल तानी

रामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर के केमरी थाने में घुसकर भाजपाइयों ने अवैध खनन के विवाद में पुलिसकर्मियों पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। दारोगा पर पिस्टल तान दी।हमले में चार पुलिसकर्मी समेत छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसमें नौ लोग नामजद हैं। नामजद हमलावरों में भाजपा के केमरी मंडल उपाध्यक्ष सौरभ और भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रोहिताश मौर्य भी शामिल हैं। पुलिस पर हमले की वारदात रविवार देर रात की है। सोमवार दोपहर अपर पुलिस अधीक्षक डा. संसार सिंह केमरी थाने पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। एएसपी ने बताया कि मिलक खानम थाना क्षेत्र के ग्राम डिलारी निवासी बलजीत सिंह के केमरी थाना क्षेत्र के खानपुर जदीद निवासी हरद्वारी पर डेढ़ लाख रुपये उधार हैं। जिन्हें वह लौटा नहीं रहा था। बलजीत ने इसकी शिकायत तीन दिन पहले केमरी पुलिस से की थी। रविवार रात वह फिर शिकायत करने थाने आया था। थाने से वापस लौटते समय सिमरिया गांव में पीलाखार नदी पर हरद्वारी अवैध खनन करा रहा था। बलजीत ने उप जिलाधिकारी को फोन करके अवैध खनन की शिकायत कर दी। उप जिलाधिकारी और सीओ केमरी पुलिस टीम के साथ जाकर हरद्वारी व अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया थाने में बलजीत भी अपने पक्ष के लोगों को लेकर आ गया। यहां दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद हो गया। थाने में मौजूद दारोगा राम सजीवन मौर्य ने समझाने का प्रयास किया। इस पर दोनों पक्ष पुलिस पर हमलावर हो गए।आरोप है हरद्वारी पक्ष के साथ आए भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष ने दारोगा पर पिस्टल तान दी।

असम में बाढ़ व भूस्खलन से अब तक 24 लोगों की मौत, 7 लाख से ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली। असम में बाढ़ से स्थिति और बिगड़ गई है। 22 जिलों में बाढ़ के चलते दो बच्चों सहित 6 और लोगों की जान चली गई। इसके अलावा 7 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इस साल बाढ़ और भूस्खलन के कारण असम में मरने वालों की संख्या अब 24 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, नागांव जिले के कामपुर राजस्व मंडल में चार लोग डूब गए। रविवार को बताया गया था कि होजई जिले के डोबोका में एक व्यक्ति और कछार के सिलचर में एक बच्चे की भी मौत हो गई है। बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, दरांग, गोलपारा, गोलाघाट, हैलाकांडी, जोरहाट, कामरूप, कार्बी आंगलोंग पश्चिम, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, सोनितपुर और उदलगुरी में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना, अर्धसैनिक बलों, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं, एसडीआरएफ, नागरिक

प्रशासन और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

वायुसेना ने संभाला मोर्चा- असम में बाढ़ के जारी कहर को देखते हुए वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। वायुसेना के जवान राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। वह बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही बचाव दल और राहत सामग्री को बाढ़ के कारण कटे हुए क्षेत्रों में भी पहुंचा रहे हैं।

खतरे के निशान से ऊपर ब्रह्मपुत्र का जलस्तर- ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। जोरहाट जिले के नीमतीघाट और नागांव जिले के कामपुर क्षेत्र में कोपिली नदी भी खतरे के निशान से ऊपर है।

आपातकालीन उड़ान सेवा हुई शुरू- असम में बाढ़ के कारण परिवहन संपर्क बाधित है, जिसके चलते उड़ान योजना के तहत गुवाहाटी और सिलचर के बीच एक आपातकालीन उड़ान सेवा शुरू की गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि इस उड़ान सेवा में टिकट की लागत 3,000 रुपये प्रति सीट होगी।

महंत कुलपति तिवारी ने ज्ञानवापी मस्जिद में मिले शिवलिंग के पूजन की अदालत से मांगी अनुमति

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे की रिपोर्ट जिला जज की अदालत में पहुंचने के बाद से ही ज्ञानवावी को लेकर आठ सप्ताह में सुनवाई पूरी करने को लेकर तरह तरह के कयास जारी हैं। वहीं ज्ञानवापी पर फैसला आने के पूर्व ही एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही के दौरान प्राप्त परिणामों को लेकर भी चचाओं का दौर खूब चल रहा है। इसी बीच विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत डा. कुलपति तिवारी ने भी ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग की पूजा करने की अनुमति को लेकर अदालत का रुख किया है। यह प्रकरण भी पूर्व के मामलों के साथ अदालत में सुना जाएगा। हालांकि, सोमवार को सुनवाई के पहले दिन ही मामले में अगले दिन की तारीख सुनवाई के लिए दे दी गई है। विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत कुलपति तिवारी सुबह अदालत पहुंचे और जिला अदालत में याचिका दाखिल करने के लिए अपने अधिवक्ता संग विचार विमर्श किया। पूर्व में सर्वे के दौरान ज्ञानवापी के वजूखाने में प्राप्त शिवलिंग की पूजा करने के लिए वह अदालत की चौखट में पहुंचे हैं। शिवलिंग के पूजन के अधिकार सहित प्रतिदिन भोग आरती व अन्य वैदिक रीति रिवाजों और परंपराओं के निर्विघ्न पूरा करने को लेकर वह याचिका लगाने पहुंचे तो अदालत परिसर में भी खूब चर्चा और गहमागहमी का दौर शुरू हो गया। वहीं अपने अधिवक्ता संग वह मंथन करते नजर आए। ज्ञानवापी के पूर्व में उन्होंने एश्वर्य मंडप की मौजूदगी की भी बात कही और बताया कि वहां पर खजाना भी मौजूद है। इस बात की जांच की जाए तो वहां पर मंदिर की मौजूदगी की पूरी सत्यता सामने आ जाएगी। महंत कुलपति तिवारी ज्ञानवापी मंदिर में प्रतिदिन भोग आरती के साथ पूजन की मांग की याचिका दाखिल की है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में खजाना होने की बात कहकर मस्जिद का पूरा सर्वे और जांच पड़ताल करने की भी मांग उठाई है।

हंगामे के बीच एक घंटा एक मिनट में राज्यपाल का अभिभाषण समाप्त सात विधेयक व चार अध्यादेश पास होने के बाद सदन कल तक स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र में सोमवार को समाजवादी पार्टी तथा राष्ट्रीय लोकदल के विधायकों के हंगामे के बीच में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अभिभाषण एक घंटा एक मिनट तक चला। विधानसभा के मंडप में समवेत सदन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के बाद सात विधेयक तथा चार अध्यादेश सदन से पास कराने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को मंलगवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का आज अभिभाषण शुरू होते ही समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के कई विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। हाथ में प्ले कार्ड लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी करते विधायक वेल तक पहुंचे। सदन में समाजवादी पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के विधायक भी काफी हंगामा कर रहे थे। सदन में यह लोग अभिभाषण के दौरान राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगा रहे थे। सपा तथा आरएलडी विधायक वेल में प्रदर्शन कर रहे थे। यह सभी महंगाई, कानून व्यवस्था भ्रष्टाचार पर सरकार को घेर रहे हैं। इनका विरोध सदन के अंदर से लेकर बाहर तक चला। विधान सभा मंडप में समवेत सदन में राज्यपाल आनंदीबेन का अभिभाषण शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के सदस्य हाथों में सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी तथा हंगामा करने लगे। यह लोग वेल में आ गए और नारा

लगाने लगे। राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगने के बीच में भी राज्यपाल आनंदीबेन का भाषण जारी है। नेता विरोधी दल अखिलेश यादव भी खड़े होकर अपनी पार्टी के विधायकों का हंगामा देख रहे थे। इस दौरान भी राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने तीन हजार सड़कों का निर्माण कराया है। लखनऊ से गाजीपुर तक एक्सप्रेस-वे बनाया गया है। हर वर्ग को विकास की राह से जोड़ा गया है। प्रदेश में डिफेंस कारिडोर पर काफी तेजी से काम हो रहा है। इस दौरान सभी पात्र लाभार्थियों की पेंशन राशि को बढ़ाया गया। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने किसानों का बकाया भुगतान किया। गांवों में हर घर नल योजना से लाभ मिल रहा है। सदन में सीएम योगी आदित्यनाथ विधानसभा में स्वतंत्र देव सिंह और सुरेश खन्ना साथ में मौजूद रहे। इस दौरान सीएम ने कहा कि प्रदेश में नई सरकार गठन के बाद पहला सत्र है। मुख्यमंत्री ने सभी निर्वाचित सदस्यों का स्वागत किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए राज्यपाल का मार्गदर्शन मिलेगा। 25 करोड़ लोगों के विकास की बात होगी। आज प्रदेश की जनता के हितों की बात होगी। किसी भी प्रकार की चर्चा के लिए सरकार तैयार है। इससे पहले विधानसभा के बजट सत्र में पहले दिन दोपहर 12.30 से सदन की कार्यवाही शुरू हुई है। सदन की कार्यवाही वंदेमातरम से शुरू हुई। सत्र के पहले दिन दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

ईंधन की कीमतों को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली। ईंधन उत्पादों की लगातार बढ़ती कीमतों से लोगों को केंद्र सरकार ने शनिवार को बड़ी राहत दी, जिसमें पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में बड़ी कटौती करने की घोषणा की गई। केंद्र सरकार के इस बड़े फैसले के बाद कई राज्यों ने भी इस कड़ी में कदम उठाते हुए ईंधन की कीमतों में कटौती की। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस संबंध में सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षी शासित राज्यों से पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करने को कहा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'राजस्थान, महाराष्ट्र और केरल के वरिष्ठ नेताओं को केंद्र द्वारा की गई कार्रवाइयों के लिए श्रेय का दावा करते हुए और वित्त मंत्री द्वारा घोषित केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती के कारण वैट घटक में आनुपातिक कमी को पारित करने की कोशिश करते हुए देखकर पूरी तरह से आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि वैट में उनकी खुद की कमी थी।' ज्ञात हो कि वैश्विक परिस्थितियों की वजह से लगातार बढ़ रही महंगाई से राहत देने के लिए शनिवारर को केंद्र सरकार ने कई राहत भरे फैसले किए। सरकार ने पेट्रोल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में आठ रुपए तो डीजल पर छह रुपए की कटौती की गई। इससे पेट्रोल की कीमतों में 9.5 रुपए प्रति लीटर तो डीजल में सात रुपए प्रति लीटर की राहत मिल सकती है। राज्यों की तरफ की तरफ से वैट में कटौती होने पर यह राहत और अधिक हो सकती है, कई राज्य इसे लेकर आनाकानी कर रहे हैं। पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से सरकारी खजाने पर एक लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ आएगा। पिछले साल दीपावली से ठीक पहले पेट्रोल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में पांच रुपए तो डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में 10 रुपए की कटौती की गई थी। शनिवार को उज्जवला योजना में शामिल नौ करोड़ लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 200 रुपए की सब्सिडी देने का भी फैसला किया गया।

संपादकीय

चीन की चाल

अब तक उम्मीद तो यही रही है कि चीन पूर्वी लद्दाख में चल रहे सीमा विवाद को जल्द सुलझाएगा। लेकिन पिछले दो साल में उसकी तरफ से एक बार भी ऐसा कोई संकेत नहीं आया जिससे जरा भी यह लगे कि वह इस मसले को सुलझाना चाहता है और भारत के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाने का इच्छुक है। बल्कि वह आए दिन कुछ न कुछ ऐसा करता दिखता है जिससे भारत भड़के। हाल में ऐसी खबरें आई हैं कि चीन ने पैंगोंग झील इलाके में एक और पुल बनाना शुरू कर दिया है। जिस जगह यह पुल बनाया जा रहा है, उस पर वह छह दशक से अपना दावा ठोकता रहा है। सन 1960 से उसने इस इलाके पर अवैध कब्जा कर रखा है, जिसे भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। अगर यह इलाका उसके वैध कब्जे में होता, उसके देश का हिस्सा होता तो भारत को आपत्ति ही क्यों होती! मुद्दे की बात यह है कि जब उस क्षेत्र पर उसका अधिकार ही नहीं है तो फिर वहां किसी भी तरह का निर्माण कर उसे तनाव पैदा करने वाले काम करना ही नहीं चाहिए। जाहिर है, ऐसा करने के पीछे उसका मकसद भारत को उकसाने और धमकाने का ही रहा है। गौरतलब है कि पैंगोंग झील इलाके में चीन ने एक पुल पहले ही बना लिया था। अब इसके समांतर दूसरा पुल भी बना रहा है। उपग्रह से मिली तस्वीरों से भी यह स्पष्ट हो चुका है। इससे एक बात तो साफ है कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीन अपनी मोचार्बंदी मजबूत कर रहा है। वह यहां स्थायी और बड़ा सैन्य ठिकाना बनाने में जुट गया है। दूसरा पुल बनाने के पीछे उसका मकसद वहां जल्द ही बड़ी संख्या में अपने सैनिक तैनात करने का है। जून 2020 में गलवान घाटी विवाद के बाद उसकी गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। हालांकि गलवान घाटी की घटना के बाद उपजे तनाव को खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच वाताओं के दौर चल रहे हैं। सैन्य कमांडरों की अब तक पंद्रह दौर की बातचीत हो चुकी है। कूटनीतिक स्तर पर भी वातार्एं हुई हैं। लेकिन ऐसे सारे प्रयास तब निरर्थक होने लगते हैं जब सामने वाला देश ऐसी गतिविधियों को अंजाम देने लगे जो शांति के बजाय तनाव पैदा करने वाली हों। चीन दूसरा पुल बना कर यही कर रहा है। ऐसा नहीं कि चीन पैंगोंग झील इलाके में ही अवैध निर्माण कर विवाद बढ़ा रहा है। वह भारत से सटी अपनी चार हजार किलोमीटर लंबी सीमा पर उन सभी जगहों पर ऐसे निर्माण करने में लगा है जो दोनों देशों के लिए सामरिक लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। अरुणाचल प्रदेश में तो वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास उसने गांव तक बसा लिए हैं। सीमाई इलाकों में उसने सड़क और रेल मार्गों का जो जाल बिछा लिया है और वहां 5 जी नेटवर्क सेवा पहुंचा दी है, उसका मकसद ही इन इलाकों में अपना दबदबा बनाते हुए भारत को धमकाना है। चीनी सैनिक अवैध रूप से भारतीय इलाकों में घुसपैठ करते ही रहे हैं। चीन की ये गतिविधियां भारत के लिए गंभीर चिंता की बात हैं। सवाल तो यह है कि अगर विवादित क्षेत्रों पर चीन इसी तरह निर्माण करता रहा तो विवाद हल कैसे होंगे? हालांकि चीन की हर चाल का उसी की भाषा में जवाब देने के लिए भारत की तैयारियां भी कम नहीं हैं। लेकिन टकराव से विवाद हल नहीं होते। विवादित क्षेत्रों में यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। वरना विवाद सुलझने के बजाय और गंभीर रूप लेने लगेंगे।

सजा और संदेश

अगर ऐसे मामलों में किसी को सजा मिलती है, जिसमें रसूखदार लोग शामिल हों, तो उससे दूसरों को सबक मिलता और न्याय व्यवस्था पर विश्वास बढ़ता है। हमारे देश में रसूखदार लोगों से जुड़े मामलों में सजा की दर काफी कम है, इसलिए लोगों में यह धारणा बनी हुई है कि ऐसे लोग अपने प्रभाव के चलते बरी हो जाते हैं। इस अर्थ में पूर्व खिलाड़ी और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू को मिली सजा से लोगों की यह प्रचलित धारणा कुछ कमजोर होगी। मामला चौंतीस साल पुराना है। सड़क चलते हुए विवाद में एक बुजुर्ग को सिद्धू ने मुक्का मारा था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। लंबी सुनवाई के बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने सिद्धू को एक हजार रुपए का जुमार्ना लगा कर बरी कर दिया था। इस फैसले को पीड़ित पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी कि वह इस फैसले से संतुष्ट नहीं है। इस याचिका के विरुद्ध सिद्धू ने अपने आचरण और सामाजिक साख का हवाला देते हुए अपील की थी कि मामले को दुबारा न खोला जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले को गंभीर मानते हुए फैसला सुनाया कि एक जवान आदमी का हाथ भी हथियार होता है। इसे गैरइरादतन हत्या का मामला मानते हुए सिद्धू को एक साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। सड़क चलते झगड़ों यानी रोड रेज के मामले पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़े हैं। राह चलते किसी की गाड़ी दूसरी गाड़ी से छू भर जाती है कि लोग आपा खो बैठते हैं। ऐसे झगड़ों में अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, कई की मौत भी हो चुकी है। यह किसी भी तरह से एक सभ्य समाज में सड़क पर चलने का सलीका नहीं कहा जा सकता। सिद्धू को एक हजार रुपए जुमार्ने पर रिहा करना अदालतों के सामने एक नजीर बनता उन बहुत सारे लोगों के लिए, जो सड़क चलते संयम खो देते और किसी की जान तक ले लेने में गुरेज नहीं करते। जब कोई व्यक्ति सड़क पर चल रहा होता है तो उसके हाथ में वाहन भी एक हथियार की तरह ही होता है। यह बात पहले अदालत ने उन अभिभावकों को फटकार लगाते हुए कही थी, जो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने को दे देते हैं और वे बेखयाली में हादसे कर बैठते हैं। इस तरह जिसके हाथ में वाहन है, वह उसका इस्तेमाल इरादतन किसी की हत्या के लिए भी कर सकता है। हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती है। तिस पर रफ्तार पसंद लोग जरा-सा व्यवधान पसंद नहीं करते और उनकी राह में कोई दूसरा वाहन आ जाए तो उनका संयम जवाब दे जाता है। नशा करके वाहन चलाने वाले तो अलग समस्या पैदा करते रहते हैं। उसमें अगर अदालतें इस आधार पर किसी व्यक्ति की गलती को नजरअंदाज करने लगें कि समाज में उसकी हैसियत क्या है, तो फिर सामान्य नागरिकों में कानून के प्रति क्या सम्मान का भाव रह जाएगा। कानून सबके लिए बराबर है, तो फिर उसमें किसी खास के प्रति नरमदिली क्यों। अच्छी बात है कि सिद्धू ने अदालत के फैसले को स्वीकार करते हुए समर्पण कर दिया। मगर इस फैसले से सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर स्पष्ट संकेत दिया है कि सड़क पर चलते समय अपने रुतबे को साथ लेकर चलने के बजाय

साम्प्रदायिकता, अंधविश्वास, कुरीतियों, कुप्रथाओं के घनघोर शत्रु थे राजा राम मोहन राय

सुप्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात और प्लेटो तथा यूरोपीय विचारकों गैलीलियो, ब्रूनो, कोपरनिकस तथा केप्लर की परम्परा के सच्चे अर्थों में निडर, निर्भीक और साहसी विद्वान थे राजा राम मोहन राय। क्योंकि सच्चा विद्वान वह होता जो अपने ज्ञान और विचार को सम्पूर्ण समाज के समक्ष बेझिझ्क और बेहिचक प्रकट करने का साहस रखता है। इसके साथ ही सच्चा और ईमानदार विद्वान अपने सच्चे ज्ञान और विचार के लिए पुरी दुनिया से लडने झगड़ने और और अपने सच के लिए मरने-मिटने को तैयार रहता हैं। आधुनिक काल में भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत तथा साम्प्रदायिकता, अंधविश्वास, असंगत कुरीतियों, कुप्रथाओं ,निराधार मान्यताओं और मूल्यों के घनघोर शत्रु राजा राम मोहन राय ऐसी ही क्रांतिकारी परम्परा के सच्चे ,ईमानदार तथा यथार्थवादी चिंतक, विचारक एवं विद्वान थे। जर्मनी के आदर्शवादी दार्शनिक जार्ज विल्हेम फ्रेड्रिक हीगेल के समकालीन राजा राम मोहन राय जितने गहन, गम्भीर और गहरे विद्वान और विचारक थे उतना ही समाज को बदलने की गहरी, गम्भीर और गहन तडप रखते थे। सत्रह वर्ष की जिस उम्र में मन मस्तिष्क रूमानी ख्वाबो और ख्यालों में गोते लगाता रहता हैं उस उम्र में राजा राम मोहन राय स्वतन्त्रता, समानता और भाईचारा के नाम पर लडी जा रही फ्रांसीसी क्रांति से रूबरू हो रहे थे तथा उनका मन मस्तिष्क फ्रांसीसी क्रांति के पवित्र उद्देश्यों के साथ आलिंगन कर रहा था। वस्तुतः सोलहवीं शताब्दी में यूरोपीय महाद्वीप में ताबड-तोड हुए अनगिनत हुए वैज्ञानिक चमत्कारों और आविष्कारों ने नवोदित यूरोपीय राष्ट्रवाद को अद्वितीय शक्ति , सामर्थ्य और उर्जा प्रदान की। वैज्ञानिक चमत्कारों तथा आविष्कारों के फलस्वरूप उत्पन्न प्रौद्यौगिकी ने ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों को दुनिया की महाशक्ति बना दिया। इन नवोदित महाशक्तियों ने भारत सहित सम्पूर्ण एशिया को अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा की प्रतिपूर्ति का क्रिडांगन बना दिया । इसके विपरीत भारत सहित सम्पूर्ण एशियायी देशों में आर्थिक अध:पतन, राजनीतिक जर्जरता, सामाजिक विश्रृंखलता और सांस्कृतिक पिछड़ेपन का दृश्य दिखाई देने लगा। इस संक्रमणकालीन हताशा और निराशा से भरी परिस्थितियों की कोख से पैदा हुए राजा राम मोहन राय और उनके विचार।

ब्रिटिश साम्राज्य की निर्मम, निर्लज्ज और क्रूर महत्वाकांक्षा सर्वप्रथम शिकार उस दौर में सर्वाधिक सम्पन्न बंगाल हुआ। इसलिए सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक सुधार आन्दोलन और पुनर्जागरण का बीजांकुर भी बंगाल की धरती से हुआ। सम्पूर्ण भारतीय इतिहास में बंगाल का पुनर्जागरण आन्दोलन सचमुच एक सर्जनात्मक, रचनात्मक तथा जटिल आंदोलन था और इस आन्दोलन को सफलीभूत करने में राजा राम मोहन राय सहित देवेन्द्रनाथ नाथ टैगोर, ईश्वर चन्द्र गुप्त, मधुसूदन दत्त, अक्षय कुमार दत्त, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, हेमचन्द्र बनर्जी, बंकिमचन्द्र चटर्जी, रबिन्द्र नाथ टैगोर योगी अरबिंद घोष तथा अन्य विभूतियों ने शक्तिशाली भूमिका निभाई परन्तु निर्विवाद रूप से राजा राम मोहन राय बंगाली पुनर्जागरण के सबसे पहले और सबसे प्रखर अधिवक्ता थे। एक धार्मिक और सामाजिक सुधार आन्दोलन के नेता के रूप में उनका व्यक्तित्व विराट और असाधारण था। कुशाग्र बुद्धि राजा राम मोहन राय की विवेचनात्मक और विश्लेषणात्मक शक्ति अद्वितीय थी। उन्होंने धर्म दर्शन के अध्ययन के लिए बुद्धिवादी दृष्टिकोण अपनाया। बौद्धिकता, तार्किकता और दार्शनिकता के सर्वाधिक

प्रामाणिक भारतीय साहित्य उपनिषदों, इस्लाम धर्म और ईसाई धर्म की शिक्षा का अध्ययन करने के उपरांत राजाराम मोहन राय की एकेश्वरवाद में आस्था बढती गई। अपने-अपने ईश्वर की सर्वोच्चता को लेकर प्रायः हिंसक संघर्ष करने वाले जन समुदाय को उन्होंने एकेश्वरवाद का संदेश दिया। एकेश्वरवाद के माध्यम से राजा राम मोहन राय ने बुरी तरह बिखरे भारतीयो में व्यापक एकता स्थापित करने और भाईचारा कायम करने का अनूठा प्रयास किया। राजा राम मोहन राय ने मूर्ति पूजा और मूर्ति पूजा से जुड़े कर्मकाण्डो की आड में पनपने वाली अमानवीय कुप्रथाओं पर करारा प्रहार किया। वर्तमान दौर में भी राजा राम मोहन राय का विचार प्रासंगिक है क्योंकि मूर्ति पूजा से जुड़े हुए पाखंड और कुप्रथाएं आज भी चलन-कलन में जिन्दा हैं। प्रकारांतर से राजा राम मोहन राय के धार्मिक विचार मानवतावादी मूल्यों से परिपूर्ण समाज बनाने के लिये अपरिहार्य है।

वैसे तो राजा राम मोहन राय ने बाल विवाह, बहुविवाह, छूआ-छूत और ऊँच-नीच जैसी सामाजिक कुरीतियों और कुप्रथाओं के विरूद्ध तीखा प्रहार किया परन्तु सती प्रथा जैसी घिनौनी और अमानवीय प्रथा को समाप्त करने में उन्होंने जो श्लाघनीय भूमिका निभाई वह उन्हें भारतीय इतिहास में एक युगांतरकारी युगपुरूष के रूप में स्थापित करती हैं तथा सती प्रथा को समाप्त करने की परिघटना भारतीय इतिहास में युगांतरकारी परिघटना हैं। निस्संदेह राजा राम मोहन राय ने हिन्दू स्त्रियों को सती की कुत्सित प्रथा से धर्म युद्ध चलाकर गगनचुंबी अमर यशकिर्ति प्राप्त कर ली। राजा राम मोहन राय ने अन्य सामाजिक कुरीतियों के साथ विधवाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की जी-भर कर भर्तसना की । उन्होंने अकाट्य तर्क देकर विधवा पुनर्विवाह का पुरजोर समर्थन किया। बहुविवाह को उन्होंने दाम्पत्य संबंधों और दाम्पत्य जीवन के प्राकृतिक सिद्धांतो तथा सनातनीय संस्कृति के विरुद्ध बताया। उनके अनुसार बहुविवाह नारी शोषण और नारी अत्याचार का छ्दम रूप है। राजा राम मोहन राय महिलाओं को पुरुषों के समान शिक्षा और शासन प्रशासन राजनीति कला और साहित्य में समान अवसर देने के प्रबल समर्थक थे। राजा राम मोहन राय की The Abstract of the Arguments Regarding the burning of widows considered as religious rights तथा The modern encroachment on the ancient rights of females according to the hindu law of inheritance महत्वपूर्ण पुस्तिकाओं से स्पष्ट परिलक्षित होता हैं कि-वे हिन्दु स्त्रियों के अधिकारों के महान समर्थक थे।

राजा राम मोहन राय मूलतः बुद्धिवादी दृष्टिकोण के सर्वश्रेष्ठ समाज सुधारक थे। इसलिए इनके विचारों में राजनीतिक विषयों पर चिंतन का अभाव पाया जाता हैं। परन्तु कहीं-कहीं मौलिक राजनीतिक विषयों पर उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त किये हैं। इंग्लैंड के मशहूर उदारवादी विचारक जान लॉक और टामस पेन की तरह प्राकृतिक अधिकारों की पवित्रता पर विश्वास करते थे। अन्य उदारवादी चिंतको की तरह राजा राम मोहन राय भी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और निजी सम्पत्ति की रक्षा करना शासन का दायित्व मानते थे। उन्होंने प्राकृतिक अधिकारों का समर्थन अवश्य किया परन्तु इन प्राकृतिक अधिकारों को भारतीय लोकमानास में प्रचलित आदर्शों से मर्यादित करने का आग्रह भी किया। संवाद कौमुदी और अल- हिलाल जैसी दर्जनों समाचार पत्रों और पत्रकाओ के सम्पादक रहे राजा राम मोहन राय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विशेषकर प्रेस की स्वतंत्रता के उत्कट समर्थक थे। उन्होंने द्वारका नाथ ठाकुर, हरचन्द्र घोष, गौरी शंकर बनर्जी, प्रसन्न कुमार टैगोर तथा चन्द्र कुमार टैगोर के साथ मिलकर सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ।

उल्टी गंगा के तैराक

सुरेश सेठ

यह नई दुनिया है। बदलाव भरी दुनिया। शिक्षा क्रांति का नारा लगाती दुनिया। सेहतयाब होती दुनिया। बता रहे हैं कि स्कूलों का चेहरा बदल गया और बच्चों से लेकर बड़ों तक कुपोषण की समस्या भी खत्म हो गई। इन स्कूलों का चेहरा बदल गया है और इसका माडल दिखा कर चुनावी विजय होती है। मगर वहां पढ़ते बच्चे तो आज भी सींकिया बदन हैं। सरकार ने बच्चों के हाथ में पुस्तक और पेट में रोटी देने के लिए स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। उम्मीद थी कि कम से कम एक समय तो उन्हें उचित भोजन मिल जाएगा। उधर सर्व शिक्षा अभियान भी चला रखा है। प्राथमिक शिक्षा का सब बच्चों को संवैधानिक अधिकार भी दे दिया है, लेकिन देने की घोषणा करने और वास्तव में मिल जाने के सच में अंतर होता है। ह्यपब्लिक स्कूल कल्चरह्ल की कमर तो टूटी नहीं, गरीब बच्चों को इन स्कूलों की आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं मिला। बीच में निजी शिक्षा के मसीहाओं ने अदालतों की निषेधाज्ञा खड़ी कर दी। अब इंतजार और अभी। इधर सरकारी स्कूलों में जो मध्याह्न भोजन योजना शुरू हुई है, उसमें पुष्ट-पोषण के नाम पर खबरचियों ने खबर दी कि बच्चों को सूखी रोटी के साथ नमक मिलना शुरू हो गया है। आंकड़ा शास्त्रियों ने भी इसके असल चेहरे की गवाही दे दी। बताया कि इस देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चे आधे से अधिक काल कलवित हो जाते हैं, तो बारह-चौदह साल के बच्चों में भी कुपोषण की वजह से, उसी तरह लगभग आधे काल का ग्रास हो जाते हैं। शेष जो बचते हैं, उनमें से बड़ी तादाद मानव तस्करों की कृपा से लापता होकर तेल धनी देशों के शेखों के द्वार तक पहुंच जाती है।

अब मध्यपूर्व के इन देशों में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ जाने के बाद सोचा जा रहा है, कि क्या इससे धनी शेखों के धन के पहाड़ कुछ कम हो जाएंगे? क्या उनकी रुचियों, ऐश्वर्य और विलास में कुछ अंतर आएगा? अंतर चाहे न आए, लेकिन इसी आशंका से हो सकता है कि मानव तस्करी का धंधा कुछ मंदा हो जाए। बच्चे अगर अपहृत होकर लापता कम होने लगेंगे, और गरीबों की गूदड़ बस्तियों में दनदनाते नजर आएंगे।

स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना भ्रष्टाचार की नजर लग जाने से बंद होने के कगार पर है। कहीं-कहीं तो उच्च न्यायालय के आदेश से इसे पुनः जीवनदान

मिला है। पर केवल भूख मिटाना क्यों, यहां तो अधनंगे बदनों को कपड़े से भी ढकने की समस्या है। अपने राज्य के स्कूलों में सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त वर्दियां बांटने की घोषणा की है। लालफीताशाही इसे भूल गई, खाली खजाने का रुदन राग तो चलता ही रहता है। सुबह के मुर्गों ने दोपहर को बांग दे दी, सरकारी मशीनरी जागी। गर्मियों की वर्दियां सर्दियों में बंटी। अब उम्मीद है कि सर्दियों की वर्दियां भरपूर गर्मी तक बंट कर सबका उपकार कर सकेंगी। भई, भला हो पर्यावरण प्रदूषण का। मौसम का सारा गणित बिगाड़ रखा है। गर्मी के दिनों में सर्दी पड़ने लगती है और सर्दियों में पंखा चलाने की नौबत आती है, कि जैसे सावन की बेवफाई ने बिन बादल बरसात के अतिकथन को सच करना शुरू कर दिया है। इस पर्यावरण प्रदूषण से जल्द तो छुटकारा मिलेगा नहीं, क्योंकि चचा सैम ने ह्यअमेरिका अमेरिकियोंह्ल का वादा लगा कर इन संधियों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया है, और सजा के तौर पर ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा कर तीसरी दुनिया के देशों का तेल-डीजल बंद करने का प्रयास किया है। अब अगर महंगा होता कच्चा तेल कम आयात होने लगेगा तो इसका प्रयोग भी कम होगा। यों पर्यावरण प्रदूषण अपने आप कम हो जाएगा। इसी तरह तेल का आयात जब घटेगा, गरीब देशों की उत्पादक गतिविधियां कम हो जाएंगी। उनका हरित गैस का उत्सर्जन अपने आप कम हो जाएगा। जी हां, यहां और वहां, देश में और विदेश में जटिल समस्याएं यों ही हल होती हैं। पर्यावरण प्रदूषण रुक नहीं पाया, मौसम बेवफा हो गया। बच्चों की पिछड़ी वर्दियां काम आ गईं। नई शिक्षा नीति के अनुसार तीन घंटे की परीक्षा का विकल्प ढूंढ़ा जा रहा है। आनलाइन अनुमान न मिलने के कारण सरकारी आदेश के बावजूद दलित छात्रों के रोल नंबर नहीं मिल रहे। परीक्षाएं व्यर्थ हो रही हैं, अवश्य इनका कोई विकल्प नई शिक्षा नीति में तलाश लिया जाएगा। इधर मध्याह्न भोजन योजना की विफलता और भूख के दबाव में स्कूली छात्र भगोड़े होने लगे। इससे देश में बाल श्रमिकों की संख्या में कोई कमी नहीं आएगी और सरकार का यह दावा सच होता नजर आता रहेगा कि अपने देश में उत्पादकों के लिए श्रम बड़ा सस्ता है और यह सस्ता ही रहेगा। अब बताइए, अगर स्कूली छात्र खुद भगोड़े हो गए तो भाग्यनियंताओं का क्या दोष!

नई शुरूआत का वक्त

आर्थिक नीति में पहली बार बदलाव की शुरूआत और फिर एक जुलाई 1991 को रुपए के अवमूल्यन को इकतीस साल हो चुके हैं, इसका मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा। यह एक ऐसा नाटकीय और जोखिम भरा कदम था, जिसकी व्यापक तौर पर निंदा हुई थी। विपक्ष इस कदर हमलावर था कि पीवी नरसिंहराव इसका अगला कदम उठाने से रुकना चाह रहे थे। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री की ह्यइसे रोकनेह्ल की इच्छा के समर्थन में थे। आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन ह्यउपलब्धह्ल नहीं थे। और अगले अड़तालीस घंटे के भीतर ही एक बार फिर रुपए के और अवमूल्यन का बिगुल बज गया था! यह दो चरणों वाला नृत्य था और इसकी तैयारी पहले से ही कर ली गई थी और बहुत ही कुशलता के साथ पूरा किया गया था।

इसके बाद जो हुआ, उसे दो शब्दों में विशुद्ध साहस कहा जा सकता है। इसके तुरंत बाद सरकार ने व्यापार नीति सुधार, नई औद्योगिक नीति और लीक से हट कर बजट बनाया था। इस पर दुनिया का ध्यान गया और उसने सरकार के साहस, स्पष्टता और तेजी पर गौर किया। हाथी का नृत्य शुरू हो चुका था। खुले बाजार की अर्थव्यवस्था

पिछले तीस साल में जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने उदारवाद के दौर में शुरूआत की, उससे देश को संपत्ति सृजन, नए कारोबार, नए उद्यमों, बड़ा मध्यवर्ग, लाखों रोजगार, निर्यात और सत्ताईस करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने जैसे मामलों में बड़ा लाभ पहुंचा। फिर भी, इसमें कोई संदेह नहीं कि आबादी का बड़ा हिस्सा बेहद गरीबी में जी रहा है। एक सौ सोलह देशों के वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 में भारत एक सौ एकवें स्थान पर है। बड़े पैमाने पर महिलाएं और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वे-5 में उजागर भी हो गया है। शिक्षा पर सालाना रिपोर्ट बता रही है कि नतीजे कितने बदतर हैं। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। महंगाई लगातार उच्च स्तर पर जा रही है। आय, संपत्ति और लैंगिक असमानताएं बढ़ रही हैं। लोगों के कई वर्गों को उचित और समान अवसरों से वंचित कर दिया गया है। हम खुली, उदार और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था से अलग नहीं हो सकते हैं। ऐसा करना आत्मघाती होगा। आखिरकार, हमें वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए अपनी आर्थिक नीतियों को फिर से तैयार करने की कवायद करनी चाहिए। इसके लिए 1991 जैसे साहस, स्पष्टता और रफ्तार की जरूरत होती है। वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार करें। अमीर राष्ट्र और अमीर हो गए हैं, उदाहरण के लिए चीन और भारत के बीच खाई और चौड़ी हो गई है। 2022 में चीन की जीडीपी एक सौ सड़सठ खरब अमेरिकी डालर हो जाएगी और भारत की तीस खरब

अमेरिकी डालर। डिजिटल प्रौद्योगिकी इंसान की जिंदगी के हर पहलू पर धावा बोलेगी। डाटा नई दौलत होगा। मशीनी मानव, रोबोट, मशीनें और कृत्रिम मेधा दुनिया पर राज करेंगे और इनसान की भूमिका नए सिरे से परिभाषित होगी। 5जी, इंटरनेट 3.0, ब्लाकचेन, मेटावर्स और अज्ञात आदि नई दुनिया में अपनी जगह बनाते हुए इसे फिर से तय करेंगे। जलवायु परिवर्तन अपने नतीजे दिखाएगा और मानव जाति इनका सामना करने को मजबूर होगी। हम जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल छोड़ने को मजबूर होंगे और इस धरती पर बचे रहने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का इस्तेमाल करने के दबाव में होंगे। घरेलू घटनाक्रमों पर गौर करें। कुल प्रजनन दर गिर कर दो पर आ चुकी है, जो विस्थापन दर से भी नीचे है। पंद्रह साल से कम उम्र की आबादी का अनुपात जो 2015-16 में 28.6 फीसद था, वह 2019-20 में गिर कर साढ़े छब्बीस फीसद रह गया। यह वह बिंदु है, जहां से हमारे जनसांख्यिकीय लाभांश का अंत शुरू होता है। औसत किसान अपेक्षाकृत ज्यादा पैदावार देता है, पर उसका जीवन जरा नहीं बदला है। उसे लगने लगा है कि खेती अब संभव नहीं रह गई है और उसके बच्चे इसे करना नहीं चाहते। शहरीकरण तेजी से हो रहा है और शहरी बेरोजगारी दर बढ़ती जा रही है। डिजिटलीकरण का विस्तार होता जा रहा है, इसलिए गरीब और मध्यवर्ग/अमीर के बीच बड़ा डिजिटल अंतर पैदा हो गया है।

बहुसंख्यकवाद लोगों के बीच चर्चा और संवाद का विषय बनता जा रहा है और ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ जाएगी। अगर किसी देश की आबादी के बीस फीसद हिस्से को राजनीतिक और आर्थिक ढांचे से बाहर कर दिया जाए तो कोई भी राष्ट्र आर्थिक शक्ति नहीं बन सकता। मामला फिर से तैयारी के दबाव का है। देश रोजगारविहिन वृद्धि स्वीकार नहीं करेगा, जो पिछले कुछ सालों में रोजगारों के जाने की दर से काफी कम है। वृद्धि की बुनियाद ह्यनौकरियांह्ल होना चाहिए, रोजगार सृजन से ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। हर साल दो करोड़ रोजगार पैदा करने के अहंकारी वादे से लेकर ऐसा फूहड़ तर्क देना कि ह्यपकौड़ा बेचनाह्ल भी रोजगार है, बताता है कि मोदी सरकार ने कड़ी मेहनत करने वाले उन करोड़ों परिवारों का अपमान किया है, जिन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया था और जो अब रोजगार न होने की स्थिति का सामना कर रहे हैं। कुछ समय के लिए हिंदुत्व की सम्मोहक अपील करके मोदी सरकार बच भले ले, लेकिन जल्दी ही नौजवान यह महसूस करेंगे कि हिंदुत्व (और ध्रुवीकृत और विभाजित समाज) किसी को रोजगार नहीं देने वाला, चाहे वह हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख या किसी भी अन्य धर्म या आस्था को मानने वाला क्यों न हो। यह विमर्श हमें अपरिहार्य रूप से केंद्र-राज्य संबंधों में बदलते संतुलन की ओर ले जाता है। इससे पहले कभी ये संबंध इतने खराब नहीं रहे, राज्यों की वित्तीय हालत पहले कभी इतनी नाजुक नहीं रही। राज्यों के खुद के संसाधन घटने लगे हैं। जीएसटी को लेकर मोहभंग होता जा रहा है, और यह उसे लागू किए जाने के तरीके की बदौलत है। केंद्र और राज्यों के बीच भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है। बल्कि अब तो ब्रेक्जिट की तरह ही जीएसटी से बाहर निकलने की चर्चा होने लगी है। केंद्र ने राज्यों के विधायी अधिकार क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और उन अपनी कार्यकारी और वित्तीय शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्यों को चुपचाप काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सिर्फ मोदी सरकार की नीतियां नहीं, बल्कि जिस रास्ते को इसने चुना है, वह भी संघवाद को तबाह करने की ओर जाएगा।

भीम की एक लात से बना 'भीमलात'

रातों रात यह चमत्कार हो गया था

जयपुर। आपने चमत्कार होते हुए सुने होंगे। कई लोगों ने शायद देखा भी होगा। कुछ पर आपने भरोसा भी किया होगा और कुछ चमत्कारों को देखकर तो आपकी आंखे फटी की फटी ही रह गई होंगी। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चमत्कार के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आपको अपने कानों पर भरोसा नहीं होगा।आपने चमत्कार होते हुए सुने होंगे। कई लोगों ने शायद देखा भी होगा। कुछ पर आपने भरोसा भी किया होगा और कुछ चमत्कारों को देखकर तो आपकी आंखे फटी की फटी ही रह गई होंगी।

आप सभी लोगों ने रामायण, महाभारत की कथाओं में किसी योगी को वरदान देते तो सुना ही होगी। पर क्या आपने कभी रातों रात किसी किले को बनते हुए देखा है। यह बात जितनी हैरान करने वाली है उतनी ही हैरतअंगेज भी, लेकिन यह कोई कहानी नहीं बल्कि एक सच है। जिसका जीता जागता उदाहरण है राजस्थान का चित्तौड़गढ़ किला।

पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने वाला राजस्थान खुद में ना जाने कितने रोचक तथ्य छुपाए हुए है। जिसका एक जीता जागता उदाहरण वहां का चित्तौड़गढ़ किला है। यह किला विश्व धरोहर की सूची में भी शामिल है। इस किले के बनने के पीछे की कहानी भी कम मजेदार नहीं है। कहा जाता है कि जब पांडव के दूसरे भाई भीम संपत्ति की खोज में निकले थे तो रास्ते में उनकी मुलाकात एक योगी से हुई। उस योगी के पास पारस पत्थर था। भीम ने वह पारस पत्थर योगी से मांग लिया। जिसके बदले में योगी ने एक किले की मांग की। जो वरदान योगी ने भीम से मांगा वह कोई और नहीं बल्कि चित्तौड़गढ़ का किला था। भीम ने अपने बल और भाइयों की सहायता से किले का निर्माण शुरू किया। काम को लगभग समाप्त होता देख योगी के मन में कपट उत्पन्न हो गया। उसने जल्दी सवेरा करने के लिए यति से मुर्गे की आवाज में बांग देने को कहा। जिससे भीम सवेरा समझकर निर्माण कार्य बंद कर दे और उसे पारस पत्थर नहीं देना पड़े। मुर्गे की बांग सुनते ही भीम को क्रोध आया और उसने क्रोध से अपनी एक लात जमीन पर दे मारी। जहां भीम ने लात मारी वहां एक बड़ा सा जलाशय बन गया। आज इसे 'भीमलात' के नाम से जाना जाता है। चित्तौड़गढ़ का किला भारत के सभी किलों में सबसे बड़ा माना जाता है। यह 700 एकड़ में फैला हुआ है। यह धरती से 180 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ की शिखा पर बना हुआ है। यह किला 3 मील लंबा और आधे मील तक चौड़ा है। किले के चारों तरफ पहाड़ी का एक घेरा है। जो करीब 8 मील का है। इस किले में प्रवेश करने के लिए लगातार सात दरवाजे कुछ अन्तराल पर बनाए गए थे। ताकि कोई भी शत्रु किले के अंदर प्रवेश न कर पाए।

सौर मंडल के बाहर कैसा है ग्रहों का जीवन

ये है ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य, जिसे जानने का हो रहा दावा

मुंबई। हमारे सौर मंडल के बाहर करीब 5000 ग्रह हैं। वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि हाल के दिनों में किए गए शोध में पता चला है कि अनुमान से ज्यादा ग्रह अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। उनका कहना है कि अंतरिक्ष में भटक रहे ग्रह बर्फीले 'फ्री-फ्लोटिंग प्लैनेट' या एफएफपी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि वह यह बता सकते हैं ये ग्रह कैसे बनते हैं और कैसे समाप्त होते हैं।

वैज्ञानिकों ने बताया है कि रिसर्च करने के लिए ज्यादा से ज्यादा एक्सोप्लैनेट को खोजने से पता चला कि आखिर यह ग्रह क्या हैं। उनका कहना है कि ग्रहों और 'ब्राउन ड्वार्फ्स' के बीच वाली रेखा तेजी से धुंधली होती चली गई है। ऐसे ठंडे तारों को ब्राउन ड्वार्फ्स कहते हैं जो हाइड्रोजन को फ्यूज नहीं कर पाते। बहुत समय तक यह चर्चा का विषय रहा कि आखिर कोई चीज ग्रह है या ब्राउन ड्वार्फ्स। आइए जानते हैं कि वैज्ञानिकों ने और क्या-क्या बताया है। सौर मंडल से बाहर करीब आधे तारे और ब्राउन ड्वार्फ्स मौजूद हैं। दूरबीन तकनीक में सुधार होने की वजह से अंतरिक्ष में छोटी और अलग रह रहीं वस्तुओं को देखा जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि वास्तव में अभी यह नहीं पता चला है कि आखिर ये कैसे बनते हैं। उन्होंने बताया है कि अंतरिक्ष में धूल और गैस के एक क्षेत्र के अपने आप गिरने से तारे और 'ब्राउन ड्वार्फ' का निर्माण होता है। इस क्षेत्र के सघन होने की वजह गुरुत्वाकर्षण की प्रक्रिया में ज्यादा से ज्यादा सामग्री उस पर गिरती है। परमाणु संलयन की शुरूआत करने के लिए गैस का यह गोला गर्म होता रहता है। लेकिन इनका आकार फ्यूजन शुरू करने लायक नहीं होता। शोधकर्ताओं ने संभावना जताई है कि ऐसे ग्रह किसी तारे के चारों ओर कक्षा में जीवन की शुरूआत कर सकते हैं। हालांकि किसी बिंदु पर अंतरताराकीय जगह से अलग हो जाता है। अपेक्षाकृत छोटे और ठंडे होने की वजह से ऐसे ग्रहों का पता लगाना कठिन होता है। आंतरिक ऊष्मा का स्त्रोत नष्ट होने की प्रक्रिया में बची ऊर्जा से उनका निर्माण हुआ है। ग्रह जितने छोटे होते हैं वह उतनी ही तेजी से ऊष्मा विकिरित करते हैं। अंतरिक्ष में ठंडी वस्तुओं से कम प्रकाश उत्सर्जित होता है और जिनसे प्रकाश उत्सर्जित होता है वह लाल रंग के होते हैं।

83 करोड़ साल पुराने सेंधा नमक में मिले हैरान करने वाले तत्व

आर्गेनिक ठोस पदार्थ मिलने से वैज्ञानिक हैं हैरान

नई दिल्ली। वैसे तो सेंधा नमक के कई फायदे हैं। लेकिन अब इसमें एक ऐसी चीज मिली है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। अब वैज्ञानिकों को सेंधा नमक में ऑर्गेनिक ठोस पदार्थ मिले हैं। यह संरक्षित ऑर्गेनिक ठोस पदार्थ सेंधा नमक के बेहद पुराने टुकड़े के फ्ल्यूड में पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने इसकी खोज के लिए इमेजिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया है। ऑर्गेनिक ठोस पदार्थ जिस सेधा नमक के नमूने में पाया गया है वह 83 करोड़ साल पूराना है।

ऑस्ट्रेलिया में नियोप्रोटेरोजोइक ब्राउन फॉर्मेशन से 1,480 से 1,520 मीटर की गहराई से नमूनों को लिया गया था जिनसे यह लिया गया है। जर्नल जियोलॉजी में इसके बारे में एक पेपर प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नमक में मिली चीजें बिल्कुल प्रोकैरियोट्स और शैवाल की कोशिकाओं की तरह हैं। आइए जानते हैं कि वैज्ञानिकों ने सेंधा नमक में और क्या जानकारियां दी हैं? क्रिस्टल समुद्र के नमकीन पानी के वाष्पीकरण से सेंधा नमक बनता है। इस प्रोसेस में पानी का कुछ अंश और जीव फ्ल्यूड इनक्लूजन में फंस सकते हैं। शोधकताओं द्वारा पानी के इन छोटे-छोटे हिस्सों में सूक्ष्मजीवों और ऑर्गेनिक कंपाउंड की पहचान की गई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि शोधकताओं ने इन सूक्ष्मजीवों के अभी जीवित होने की संभावना जताई है। हैलाइट के नमूनों में मिले सूक्ष्मजीवों के बीते उदाहरणों के मद्देनजर शोधकताओं की टीम का अनुमान जताया है कि ब्राउन फॉर्मेशन वाले हैलाइट में ऑर्गेनिक कंपाउंड निष्क्रिय अवस्था में हैं। हालांकि इसके बावजूद ये जीवित हो सकते हैं। शोधकताओं ने बताया कि नमूनों में किसी प्रकार की कोई खराबी नहीं आई हैं। करोड़ साल बीतने के बाद भी इसे आसानी से पहचाना जा सकता है। उन्होंने बीते रिसर्चों की तरफ इशारा किया गया है। इन शोध के दौरान 150,000 साल पुराने सेंधा नमक में जीवित सूक्ष्मजीव मिले थे। इसी तरह 25 करोड़ साल पुराने नमक के क्रिस्टल में जीवित बैक्टीरिया भी मिल चुके हैं।

अगर यह सच साबित हुआ, तो दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश में इनकी अहम भूमिका हो सकती है। मंगल ग्रह पर विशालकाय नमकीन पानी की झीलें मौजूद हैं। इसके साथ ही ब्राउन फॉर्मेशन हैलाइट भी हैं। अगर धरती के हैलाइट में जीवन सम्भव है, तो मंगल ग्रह पर भी जीवन संभव हो सकता है। आए दिन वैज्ञानिक नई-नई खोज करते हैं। कई खोज तो ऐसी होती हैं जिनके बारे में जानकर वैज्ञानिक भी हैरान हो जाते हैं।

बिना नट-बोल्ट के बना है ये ब्रिज

कोलकाता। भारत में अगर अभियांत्रिकी के सर्वश्रेष्ठ नमूनों की बात की जाए तो हावड़ा ब्रिज का नाम जरूर आता है। 82 साल के हो चुके इस ब्रिज को कई फिल्मों और टीवी सीरियल्स का हिस्सा बनाया गया। इस ब्रिज ने हावड़ा और कलकत्ता को बदलते देखा है, लोगों की भाग-दौड़ देखी है और इन सब के बावजूद भी ये आज भी अपने गौरव को समेटे खड़ा है। इस ब्रिज का नाम साल 1965 में रविंद्रनाथ टैगोर के नाम पर रविंद्र सेतु रख दिया गया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि 1945 में बनकर तैयार हुए इस ब्रिज का इतिहास पुराना है क्योंकि जहां आज का हावड़ा ब्रिज है, वहां एक पुराना ब्रिज था जिसे बंगाल के लोग पुरोनो ब्रिज कहते थे। वो पीपे से बना पुल था जिसकी शुरूआत 17 अक्टूबर 1874 को हुई थी और इसको डिजाइन किया था रेलवे के चीफ इंजीनियर ब्रैडफर्ड लेसली ने। यूं तो ये पुल सिर्फ 25 सालों के लिए बनाया जाना था मगर ये करीब 74 सालों तक अस्तित्व में रहा। आपने हावड़ा ब्रिज के बीच से दो भागों में बंट जाने की कहानियां तो खूब सुनी होंगी। दरअसल, वो इस पीपे के पुल से जुड़ी कहानियां थीं, जब कोई शिप या नाव गुजरती तो पुल को बीच से खोल दिया जाता था। उस दौरान नाव के आने का समय तय था और उसी के हिसाब से लोग वहां से गुजरते थे। 1906 के बाद से जल वाहनों के लिए पुल सिर्फ रात के वक्त ही खुलता था। साल 1945 में इस पुल को डिसमैंटल कर दिया गया था क्योंकि तब नए पुल का निर्माण हो चुका था। अब सवाल ये उठता है कि नया ब्रिज किस मामले में अनोखा है। आपको बता दें कि नए ब्रिज में एक भी नट-बोल्ट नहीं है। इस ब्रिज के धातु को एक दूसरे से लोहे के छड़ों से बांध-बांधकर जोड़ा गया है। हालांकि, बहुत से लोगों का दावा है कि इसमें नट-बोल्ट हैं मगर बेहद कम संख्या में हैं। ये दुनिया का छठा ऐसा ब्रिज है जिसमें एक भी खंभा नहीं है। यानी ये ब्रिज बीच से हवा में लटका है। इस ब्रिज को इस तरह का दुनिया में सबसे व्यस्त पुल माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पुल पर हर दिन 2 लाख लोग पैदल चलते हैं वहीं एक लाख कारें पास होती हैं। साल 1993 तक पुल पर ट्राम भी चला करती थी मगर ज्यादा भीड़ होने की वजह से इसमें ट्राम का आवागम बंद कर दिया गया। इस ब्रिज पर कई तरह के खतरे भी मंडराए मगर ये टिका रहा। पुराना पुल तूफान के बीच भी फंस गया था जबकि एक बार एक शिप इस पुल से टकरा गई थी। यही नहीं, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान ने कलकत्ता पर बम भी गिराए थे मगर पुल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा क्योंकि उस वक्त उनका प्रमुख मकसद किंग जॉर्ज डॉक को तबाह करना था जिसे अब नेताजी सुभाष डॉक के नाम से जाना जाता है, उस दौरान वो अमेरिकी सेना का अस्थायी बेस था।

वजन संभालने के लिए नहीं है खंभा!

भारतीय सिनेमा

उर्फी जावेद ने पहने टूटे कांच के कपड़े, फिर ये कहा...

मुंबई। एक्ट्रेस उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। उर्फी अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फोटो व वीडियो शेयर करती है, जो तेजी से वायरल होते हैं। उर्फी जावेद का फैशन सेंस अक्सर सुर्खियों में रहता है और ड्रेसिंग के चलते कभी उर्फी ट्रोल होती हैं तो कभी खूब वाहवाही लूटती हैं। हाल ही में उर्फी के इंस्टाग्राम पर 3 मिलियन फॉलोअर्स पूरे होने की खुशी में एक्ट्रेस ने एक पार्टी रखी। पार्टी में भी उर्फी का जरा हटकर ड्रेसिंग सेंस देखने को मिला। उर्फी ने कांच के टुकड़ों से बने कपड़े पहने थे, वही बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में उर्फी ने टूटे हुए कांच को बतौर कपड़े पहना हुआ है। उर्फी ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हां मैंने टूटे हुए कांच के कपड़े पहने हैं। मुझे लगता है कि ये बेहतरीन लग रहा है। लोग मुझे अजीब, क्रेजी कहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी अजीब और क्रेजी हैं। मैं इतनी समझदार हूं कि इसके साथ खुद को सशक्त कर सकूं। याद दिला दें कि इससे पहले उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में उर्फी ने ब्लैक मोनोकनी पहनी हुई थी और मुस्कुराते हुए कैमरे को देख रही थीं। उर्फी फोटो में काफी हॉट लग रही हैं। इन फोटो को शेयर करते हुए उर्फी ने कैप्शन में लिखा, कैप्शन नहीं समझ आ रहा है। उर्फी जावेद के इन फोटो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं और तेजी से रिएक्ट कर रहे हैं। उर्फी के स्वैग को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में प्यार लुटा रहे हैं। बता दें कि इंस्टाग्राम पर खूब एक्टिव रहने वालीं उर्फी जावेद ने हाल ही में एक बार फिर अपने नाम की स्पेलिंग बदली थी। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम बायो में अपने नाम की अंग्रेजी स्पेलिंग चेंज की थी, जिसके मुताबिक उनका नाम उओर्फी हो गया है। बता दें कि उर्फी पहले उर्फी लिखती थी और अब वो इंस्टाग्राम बायो में उओर्फी लिख रही हैं। हालांकि उन्होंने ऐसा क्यों किया है, इस बारे में कुछ भी पुख्ता तौर पर कहना मुश्किल है। याद दिला दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब उर्फी ने अपने नाम की स्पेलिंग बदली है। इससे पहले भी उर्फी ने अपने नाम की स्पेलिंग बदली थी और उर्फी को बदलकर उओर्फी कर लिया था।

बोले करण जौहर-साउथ फिल्मों ने स्टैंडर्ड बढ़ा दिया

मुंबई। करण जौहर के प्रोडक्शन की फिल्म 'जुग जुग जियो' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर हैं। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस दौरान मीडिया ने कलाकारों और मेकर्स से सवाल पूछे। इस वक्त सिनेमा जगत में बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की चर्चा जोरों पर है। ऐसे में करण जौहर से भी इस पर सवाल पूछा गया। उन्होंने बताया कि 2015 में वो बाहुबली पेश चुके हैं। साउथ फिल्मों ने स्टैंडर्ड को और बढा दिया है। करण जौहर ने बॉलीवुड वर्सेस साउथ फिल्मों की डिबेट पर कहा कि हम बहुत गर्व के साथ कह सकते हैं हम हिंदुस्तानी सिनेमा हैं। जब आरआरआर, केजीएफ और पुष्पा ने इतने कमाल का बिजनेस किया है तो हम कह सकते हैं कि हम हिंदुस्तानी सिनेमा हैं। हमें इन फिल्मों पर गर्व है। उन्होंने असल में इंडियन सिनेमा का दर्जा और भी ज्यादा बढा दिया है। प्रशांत नील, एसएस राजामौली, सुकुमार ने दिखाया कि हमारा स्टैंडर्ड कैसा हो सकता है। करण आगे कहते हैं, अभी गंगूबाई ने इतना अच्छा बिजनेस किया। भूल भुलैया 2 ने सॉलिड ओपनिंग ली है। हमारी यही उम्मीद है कि जुग जुग जियो उसी लिस्ट का हिस्सा बन जाए। हम ये भी चाहते हैं कि हर भाषा की फिल्म चले। हमारी फिल्में भी चलें। ये बताना बहुत जरूरी है कि जब भी हम मनोरंजन करते हैं, चाहे वो कोई भी भाषा हो, तमिल हो, तेलुगू हो, मराठी हो... अभी आपने नोटिस किया तो देखेंगे कि बीते हफ्ते पंजाबी सिनेमा ने इतनी बड़ी हिट दी है, मराठी सिनेमा ने भी उसी हफ्ते हिट फिल्म दी। हम चाहते हैं हिंदुस्तानी सिनेमा आगे बढता जाए। क्या करण साउथ फिल्मों को अपना कॉम्पिशन मानते हैं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, बिल्कुल भी कॉम्पिटिशन नही है। 2015 में मैंने बाहुबली पेश की थी। यह साथ में आगे बढ़ने वाली बात है। हम साथ में एक यूनिट हैं। एक सिनेमा।

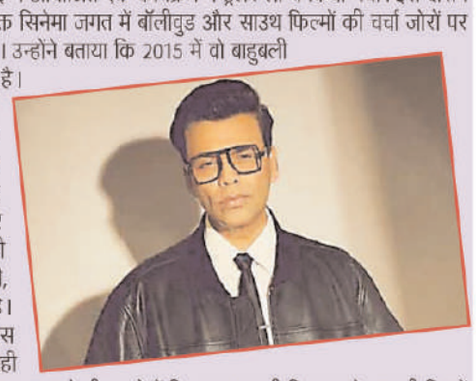

कमल हासन की 'विक्रम' का सपोर्ट कर ट्रोल हुए रणवीर सिंह

मुंबई। बॉलीवुड वर्सेस साउथ की फिल्मों पर इस वक्त बहस चल रही है। जिस तरह बॉक्स ऑफिस पर साउथ फिल्मों का जोरदार प्रदर्शन रहा है उसके बाद यह चर्चा चल पड़ी। हाल के दिनों में पुष्पा, आरआरआर और केजीएफ 2 ने धुआंधार कलेक्शन किया है। अब कमल हासन की फिल्म विक्रम रिलीज होने वाली है। फिल्म में कमल हासन के साथ विजय सेतुपति और फहाद फासिल लीड रोल में हैं। इसमें सूर्या कैमियो करते दिखेंगे। विक्रम इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इसके निर्देशक लोकेश कनगराज हैं। फिल्म मुख्यतः तमिल में बनी है। यह हिंदी में भी रिलीज की जाएगी। रणवीर सिंह ने फिल्म को सपोर्ट किया है और इसके हिंदी ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया। रणवीर के इस पोस्ट पर उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। यूजर्स का कहना है कि उन्हें बॉलीवुड फिल्मों को प्रमोट करना चाहिए। रणवीर सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मेरे टैलेंटेड दोस्त लोकेश और भारतीय सिनेमा गे दिग्गज कमल हासन को चीयर्स। यह ट्रेलर आग है। रणवीर के पोस्ट पर कमल हासन के फैन्स ने उनकी सराहना की लेकिन कुछ नेटिजन्स को यह रास नहीं आया। एक यूजर ने लिखा, उधर इनकी बॉलीवुड की लंका लगी पड़ी है, टॉलीवुड को प्रमोट करने चले आए। यूजर ने टॉलीवुड लिखा जो कि तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कहा जाता है। कई यूजर्स ने कमेंट कर उसे बताया कि विक्रम तमिल फिल्म है इसलिए इसे कॉलीवुड कहा जाना चाहिए। एक ने लिखा, दूसरे की फिल्म को प्रमोट करो और अपनी फिल्म का पता नही है। फ्लॉप हो गई है या क्या हुआ, उसके बारे मे कुछ बोलोगे नही।

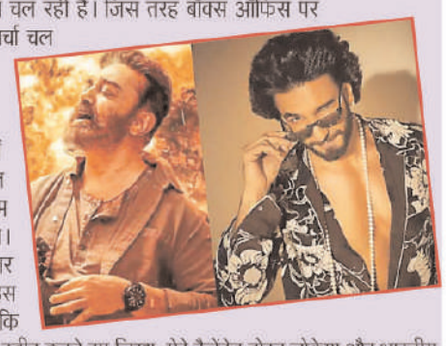

क्या शैलेश के बाद मुनमुन दत्ता भी छोड़ेंगी 'तारक मेहता'?

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के फैन्स को तगड़ा झटका लगा जब पता चला कि शैलेश लोढ़ा शो छोड़ रहे है। तारक मेहता का हर किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। ऐसे में किसी भी कलाकार के शो छोड़ने पर फैन्स को निराशा होती है। ऐसी खबरें हैं कि शैलेश और प्रोड्यूसर के बीच अनबन थी। हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने भी कुछ नहीं कहा है। तारक मेहता छोड़ने के बाद शैलेश लोढा शेमारू टीवी पर वाह भाई वाह शो करने वाले हैं। इसका टीजर भी सामने आ चुका है। अब ऐसा लग रहा है सीरियल को एक और झटका लगने वाला है। खबरें हैं कि बबीता जी यानी मुनमुन दत्ता भी शो को अलविदा कहने वाली हैं। मुनमुन दत्ता को लेकर पहले भी कई बार कयास लगाए जाते रहे हैं कि वह शो छोड़ने वाली हैं लेकिन उन्होंने हर बार इससे इनकार किया। अब ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, मुनमुन दत्ता को बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के लिए मेकर्स ने अप्रोच किया है। शो के लिए कंटेस्टेंट की खोज शुरू हो चुकी है। मुनमुन दत्ता बिग बॉस ओटीटी में हिस्सा लेंगी कि नहीं इसके बारे में अभी तक आधिकारिक जानकारी नही है लेकिन अगर ऐसा होता है तो निश्चित रूप से मेकर्स और फैन्स निराश होंगे। मुनमुन दत्ता वैसे बिग बस 15 में बतौर चैलेंजर नजर आई थी। उनके साथ सुरभि चंदना, आकांक्षा पुरी और विशाल पुरी टिकट टू फिनाले टास्क के लिए पहुंचे थे। मुनमुन अगर बिग बॉस ओटीटी करती हैं जल्द ही यह भी कन्फर्म हो जाएगा। बस उसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

हंसगुल्ले

एक बच्चा रो रहा था, उसके पिता ने रोने का कारण पूछा तो बच्चा बोला- 10 रुपये दो, तब बताऊंगा पिता ने बेटे को 10 रुपये दे दिए और कहा- अब बताओ बेटे! तुम क्यों रो रहे थे?
बच्चा बोला - मैं तो 10 रुपये के लिए ही रो रहा था, अब मिल गया!

बब्लू लाइब्रेरी जाकर पूछता है- आत्महत्या करने के तरीकों की किताब है क्या...?
लाइब्रेरियन ने उसे घूर कर देखा और पूछा- वापस करने कौन आएगा भाई...!

दूध वाले हड़ताल करते हैं तो दूध सड़क पर फेंकते हैं।
टमाटर वाले हड़ताल करते हैं तो टमाटर सड़क पर फेंक देते हैं।
न जाने बैंक को कब अक्ल आएगी।

ये हैं दुनिया के सबसे महंगे फूड्स

डालर के मूल्य को रुपए में बदलेंगे तो दिमाग भन्नाएगा

मुंबई। आपको दुनिया भर के इन लक्जरी खाद्य पदार्थों में शामिल होने के लिए अपनी बचत में डुबकी लगाने की आवश्यकता होगी।

तो नाम थोड़ा अति उत्साही हो सकता है, लेकिन न्यूयॉर्क में ला पार्कर मेरिडियन में नोर्मा में ज़िलियन डॉलर लॉबस्टर फ्रिटाटा आपको सुपर-साइज हिस्से के लिए एक हजार पर वापस सेट कर देगा। और यह अंडे नहीं है जिसके लिए आप भुगतान कर रहे हैं - इस लक्जरी आमलेट में सेवरुगा कैवियार के 10 औंस और 6-अंडे की अपव्यय में भुना हुआ मेन लॉबस्टर पूंछ शामिल है।

दुनिया की सबसे महंगी कॉफी इंडोनेशिया के छोटे से द्वीप सुमात्रा की है। एक कप हाई-एंड जो में बनने से पहले समृद्ध कॉफी एक लंबी यात्रा करती है। सुमात्रा में, छोटे बिल्ली जैसे जानवर, जिन्हें लुवाक्स कहा जाता है, कॉफी की फलियों सहित, पकी हुई कॉफी चेरी खाते हैं। बीन जानवर के पाचन तंत्र के माध्यम से अपना रास्ता बनाता है जब तक कि वह वापस जंगल के फर्श पर समाप्त नहीं हो जाता है जहां कार्यकर्ता कॉफी के शौकीनों की पसंदीदा कोपी लुवाक कॉफी बनाने के लिए इन बीन्स को इकट्ठा करते हैं और साफ करते हैं। इस विनम्रता के प्रशंसक 300 प्रति पाउंड खर्च करने को तैयार हैं और एक मग को भरने के लिए सबसे अमीर और सबसे स्वादिष्ट कॉफी का स्वाद लेने के लिए बिल्ली के शिकार संघ की अनदेखी करते हैं।

लास वेगास में ऊँचे-ऊँचे रोलर्स हमेशा बड़े खाते हैं, जिसमें स्ट्रिप के ऊपर शानदार रेस्तराँ होते हैं। रेस्तरां गाय सेवॉय क्रुग रूम में 750 डालर के स्वाद वाले मेनू के साथ कैवियार, ट्रफल्स और बेहतरीन सामग्री के साथ मसालेदार तालू को लुभाता है। स्वाद और फैंसी डाइनिंग अनुभव को और बढ़ाने के लिए, प्रत्येक डिश को 1985 से 1995 तक एक विंटेज क्रुग के साथ जोड़ा जाता है।

हालांकि कोबे गोमांस जनता के लिए तेजी से उपलब्ध हो गया है, कई मेनू पर खड़े गोरमेट कोबे बर्गर के लिए धन्यवाद, इस बहुमूल्य गोमांस की कीमत अभी भी करीब 800 डॉलर प्रति पाउंड है। लेकिन अगर आप टोक्यो में कोबे का सबसे अच्छा कट ढूंढ रहे हैं, तो अपना पेट और बटुआ टोक्यो के शिनबाशी व्यावसायिक जिले में पाए जाने वाले अरागावा में लाएं।

बेलगाम चॉकहोलिक्स को न्यू यॉर्क के सेरेन्डिपिटी 3 में गोल्डन ऑपुलेंस संडे में शामिल होने के लिए एक अतिरिक्त बड़े बैंक खाते और 48 घंटे के नोटिस की आवश्यकता होती है। यह 1,000 डालर संडे खाद्य 23-कैरेट सोने की पत्ती, ताहिती वेनिला आइसक्रीम सहित कुछ भारी-भरकम सामग्री पर निर्भर करता है। मेडागास्कर वेनिला बीन्स, दुर्लभ चॉकलेट, गोल्ड-डस्टेड बादाम और चॉकलेट ट्रफल्स के साथ बनाया गया। यह सड़न रोकनेवाला व्यंजन एक बैकरेट क्रिस्टल गोब्लेट में परोसा जाता है जिसे आप इस स्वर्गीय संडे की एक मीठी याद के रूप में घर ला सकते हैं। यदि कोई चीनी डैडी आपके मीठे दाँत को नियंत्रित नहीं कर रहा है, तो फ्रोजन हॉट चॉकलेट कीमत का एक छोटा सा अंश है और सेलिब्रिटी सेट के साथ समान रूप से लोकप्रिय है जो सेरेन्डिपिटी को बार-बार करता है।

दुनिया के कुछ बेहतरीन इतालवी भोजन का नमूना लेने के लिए सुदूर पूर्व की यात्रा करना असामान्य लग सकता है, लेकिन भूमध्यसागरीय व्यंजनों की बात करें तो बैंकॉक में मेजलुना सबसे ऊपर है। लेबुआ में डोम की 65वीं मंजिल पर उच्चतम बिंदु पर भी स्थान बहुत प्यारा है। हालांकि, इस प्रसिद्ध रेस्तरां में एक इतालवी दावत - वाग्यू बीफ कार्पेसिओ और अल्मास व्हाइट बेलुगा कैवियार जैसी विशिष्टताओं के साथ - एक भारी कीमत के साथ आता है। फिर भी, यहां भोजन करने वाले प्रामाणिकता के लिए भुगतान कर रहे हैं क्योंकि पिज्जा के आटे का पानी भी सीधे इटली से आयात किया जाता है।

यदि आप बुर्ज अल अरब में दुबई के स्काईव्यू बार में बार के लिए एक राउंड ऑर्डर करते हैं, तो आप रात को एक भारी बार टैब के साथ समाप्त कर सकते हैं, खासकर यदि आपके साथी इमबाइबर 55 वर्षीय सिंगल माल्ट व्हिस्की अल्ट्रा-प्रीसी मैकलन की चुस्की ले रहे हैं। इस विशेष सीमित माल्ट व्हिस्की का एक पानी का छींटा आपको केवल सुनहरी अच्छाई के स्वाद के लिए लगभग 4,000 डॉलर वापस कर देगा।

वायरल दुपट्टा सीन को लेकर संगीता घोष पर काम्या का पलटवार

मुंबई। टीवी सीरियल स्वर्ण घर का दुपट्टा सीन सोशल मीडिया पर बीते दिनों वायरल हुआ, जिसे संगीता घोष पर फिल्माया गया था। बिना किसी लॉजिक के इस सीन की खूब आलोचना हुई और मजाक भी उड़ाया गया। उस वक्त टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने इसे लेकर एक पोस्ट किया था और सवाल उठाया कि इन्ही वजहों से टीवी का कॉन्टेंट ओटीटी और फिल्मों से कम समझा जाता है। जिसके बाद संगीता घोष ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखकर काम्या पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि टीवी के एक्टर्स ही टीवी को नीचा दिखाने की बात कर रहे हैं। अब संगीता के पोस्ट पर काम्या का रिएक्शन आया है। काम्या ने कहा कि वो किसी एक्टर या टीवी को कमतर नहीं बता रही हैं वह तो कॉन्टेंट पर सवाल पूछ रही हैं। यही वजह है कि टीवी एक्टर्स दूसरे माध्यम पर एक्सप्लोर करने के लिए ब्रेक लेते हैं। हमारे सहयोगी एक चैनल से बातचीत में काम्या कहती है, कौन कह रहा है टीवी छोटा है... लेकिन टीवी पर दिखाए जा रहे कॉन्टेंट को देखिए। मैं किसी एक्टर या टीवी को नीचा नहीं दिखा रही हूं।

तनु वेड्स मनु रिटर्न्स के सात साल पूरे हुए

मुंबई (आईएएनएस)। कंगना रनौत और आर. माधवन की फिल्म तनु वेड्स मनु रिटर्न्स ने रविवार को रिलीज के सात साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय को फिल्म को फिर से देखना अच्छा लगता है। फिल्म के सात साल पूरे करने के बारे में बोलते हुए, मनमौजी फिल्म निर्माता राय ने कहा, यह देखना बहुत अच्छा है कि तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में अद्भुत री-वॉच वैल्यू है। मैं उन सभी के प्यार के लिए विनम्र और आभारी हूं जो इस फिल्म को सालों से अपना प्यार दे रहे हैं।

सिंगर 'संगीता साजिथ' का निधन

तिरुवनंतपुरम (आईएएनएस)। प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय प्लेबैक सिंगर संगीता साजिथ का रविवार सुबह तिरुवनंतपुरम में निधन हो गया। 46 वर्षिय संगीता साजिथ का काफी समय से किडनी संबंधी बीमारियों का इलाज चल रहा था। फिर रविवार की सुबह उनकी बहन के आवास पर उनका निधन हो गया। प्रसिद्ध प्लेबैक गायक मलयालम, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में सक्रिय थी। उन्होंने दक्षिण भारतीय भाषाओं में 200 से अधिक गाने गाए हैं। पृथ्वीराज अभिनीत कुरुथी का थीम गीत मलयालम फिल्म का उनका आखिरी गीत था। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम तिरुवनंतपुरम के थाइकौड में शांतिकावादम सार्वजनिक श्मशान घाट में किया जाएगा।

कॉमेडी को पहले नजरअंदाज किया जाता था : अनीस बज्मी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। फिल्म निर्माता अनीस बज्मी, जो वर्तमान में अपनी नई रिलीज फिल्म भूल भुलैया 2, एक हॉरर कॉमेडी की सफलता के लिए उच्च सवारी कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि, कॉमेडी जैसी फिल्में बनाना आसान नही है। नो एंट्री, वेलकम, सिंह इज किंग, रेडी और मुबारकां जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके बज्मी ने कहा कि, यह शैली अभिनेताओं और फिल्म निमार्ताओं के लिए सबसे कठिन हैं। मैं जो कह रहा हूं वो सच है क्योंकि लोग हंसना भूल गए हैं और उन्हें हंसाना बहुत मुश्किल है। मैंने बहुत सारी फिल्में लिखी हैं लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि कॉमेडी सबसे कठिन काम है। समय, मूड, योजना सब कुछ अच्छे से सेट करना बहुत मुश्किल है।

लोकेश-महेश के बीच मुलाकात से अटकलें तेज

हैदराबाद (आईएएनएस)। कमल हासन अभिनीत विक्रम के प्रचार के लिए हाल ही में हैदराबाद की यात्रा के दौरान निर्देशक लोकेश कनगराज ने महेश बाबू से मुलाकात की, यह खबर टॉलीवुड हलकों में काफी हलचल पैदा कर रही है। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच एक घंटे तक बातचीत हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर सब कुछ ठीक रहा तो महेश लोकेश कनगराज के साथ नए प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। महेश बाबू ने हाल के वर्षों में निर्विवाद रूप से खुद को योग्य अभिनेताओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। युवा लोगों और परिवारों दोनों के लिए उनकी अपील अद्वितीय है। दूसरी ओर, निर्देशक लोकेश कनगराज भी बैक-टू-बैक सुपरहिट फिल्में दे रहे हैं। नतीजतन, जोड़ी दोनों के लिए फायदेमंद प्रतीत हो सकती है। लोकेश कनगराज को फिलहाल विक्रम की रिलीज का इंतजार है।

औषधि स्नान

से कई समस्याओं का निदान

कानपुर (एसएनबी)। स्नान अध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है किंतु आयुर्वेदिक चिकित्सा विज्ञान में स्नान का आरोग्यता से बहुत गहरा संबंध है। गर्मी के मौसम में हम स्नान किस प्रकार से करें और नहाने के पानी में किन-किन प्राकृतिक व घरेलू तत्वों का उपयोग करके औषधि स्नान करके शरीर एवं मन-मस्तिष्क की विभिन्न समस्याओं और रोगों से निजात पा सकते हैं। इस सामयिक विषय पर श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय भगवत दास घाट सिविल लाइंस कानपुर की मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रजनी पोरवाल ने बहुत ही ज्ञानवर्धक जानकारी दी है।

डॉ. रजनी पोरवाल
श्रीनाथ चिकित्सालय की कंसलटेंट नेचुरोपैथ

स्नान क्या है

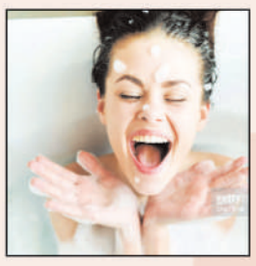

स्नान स्वच्छता का एक साधन है। सामान्य रूप से स्नान से तात्पर्य होता है कि पानी के प्रयोग से शरीर के एक-एक बाहरी अंग, प्रत्यंग और त्वचा की स्वच्छता और मालिश करना। किंतु भारतीय संस्कृति में सदियों से स्नान को सौंदर्य और विभिन्न रोगों के निदान के लिए भी महत्वपूर्ण माना गया है। शास्त्रों में दूध, दही, शहद, पुष्प, जड़ी-बूटी इत्यादि स्नान का उल्लेख मिलता है।

दुग्ध स्नान

दूध से स्नान करने से शारीरिक स्वच्छता तो मिलती ही है, मानसिक समस्याओं गुस्सा, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, यहां तक कि तनाव से भी मुक्ति मिलती है। शरीर के अंदर हैप्पी हारमोंस का निकलना तेज हो जाता है, जिससे एंजाइटी, डिप्रेशन दूर होता है। युवा अवस्था में सदाबहार जवानी और बेदाग सुंदरता के लिए यह स्नान बहुत महत्वपूर्ण है। त्वचा में कसाव लाकर बढ़ती उम्र में भी रूप की रानी बनाए रखता है। दूध से स्नान करने से पूर्व ताजे जल से खूब रगड़-रगड़ कर शरीर को साफ करना चाहिए। इसके बाद लगभग आधा या एक लीटर दूध लेकर उससे शरीर के एक-एक अंग-प्रत्यंग की मल-मल कर मालिश करें और 15 से 20 मिनट तक शरीर के प्रत्येक अंग-प्रत्यंग पर दूध मालिश करने के बाद स्वच्छ जल से स्नान करें। ध्यान रखिएगा कि दुग्ध स्नान जब जिस दिन भी करें तो कम से कम 40 दिन तक नियमित रूप से लगातार जरूर करें। इस दौरान स्नान करने व बालों को धोने के लिए शैंपू और साबुन का इस्तेमाल बिल्कुल भी ना करें।

दही स्नान

दही स्नान महिलाओं के लिए सौंदर्य की रानी और परियों जैसी सुंदरता प्रदान करने वाला है। त्वचा पर मौजूद दाग-धब्बे, खाज, खुजली के निशान पूरी तरह ठीक करके चिकनी, कोमल और आकर्षक त्वचा प्रदान करता है। दही स्नान के दही में यदि शहद भी मिला दिया जाए और इस दही से शरीर के एक-एक अंग को रगड़-रगड़ कर स्नान किया जाए। लगभग आधा घंटा दही लगाने के बाद सामान्य जल से स्नान कर लें किंतु साबुन, शैंपू इत्यादि का इस्तेमाल कदापि ना करें।

फूलों का स्नान

फूलों का स्नान सूखा और गीला, दो तरीके का होता है। पुष्प स्नान करने के लिए आधा से 1 किलोग्राम ताजे पुष्प लें। उन पुष्पों से पूरे शरीर की मालिश करते हैं। शरीर के अंग-प्रत्यंग पर रगड़-रगड़ कर फूलों का ताजा बना बनाया लेप लगाते हैं। गीला स्नान भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। हम पुष्प की पंखुड़ियों को इकट्ठा करके उसे मिक्सी में पीसकर एक लेप तैयार करते हैं और स्नान करने से आधा घंटा पहले यह पेस्ट शरीर में अच्छी तरह लगाकर रगड़-रगड़ कर शरीर के एक-एक बाहरी अंग की मालिश करनी चाहिए। लगभग 35 मिनट से 1 घंटे तक फूलों के पेस्ट की मालिश पूरे शरीर पर करने से त्वचा युवा और आकर्षक होती है। चेहरे पर कालापन पूरी तरह ठीक हो जाता है और सुंदरता की वृद्धि के लिए यह सबसे कारगर उपाय है।

प्रशांत नील ने शेयर किया कोलाज पोस्टर

बेंगलुरु (आईएएनएस)। सुपरहिट फिल्म केजीएफः चैप्टर 2 के निर्देशक प्रशांत नील ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक कोलाज पोस्टर ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। दर्शकों और फिल्म प्रेमियों को आश्चर्य हो रहा है कि स्टार निर्देशक ने अपने पोस्टर के माध्यम से क्या संदेश दिया है। प्रशांत नील ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उनके तीन प्रोजेक्ट्स की कोलाज फोटो है। केजीएफः चैप्टर 2 और उनकी आने वाली फिल्में सालार प्रभास के साथ और एनटीआर-31 जूनियर एनटीआर के साथ। होम्बले फिल्म्स के निर्माता विजय किरागंदूर का यह बयान कि केजीएफः चैप्टर 3 में हॉलीवुड जैसे सुपरहीरो होंगे। फैंस यह भी अंदाजा लगा रहे हैं कि, तीनों फिल्मों के किरदार एक वक्त पर आपस में जुड़ जाएंगे। फैंस आगे अनुमान लगा रहे हैं कि केजीएफ 2 में रॉकी भाई और प्रभास के किरदार की मुलाकात आने वाली फिल्म सालार में होगी।

कार्तिक आर्यन ने 'तांडव' मूव्स से मचाया तांडव

मुंबई (आईएएनएस)। 'भूल भुलैया 2' के पहले दिन 14.11 करोड़ का कलेक्शन करने के साथ, कार्तिक आर्यन का शेयर बॉलीवुड में 'सूर्यवंशी' के बाद से हाल ही में रिलीज हुई सभी हिंदी फिल्मों को पछाड़ रहा है। और उम्मीद की जा रही है कि फिल्म का क्लाइमेक्स आने वाले दिनों में भी कलेक्शन को मजबूत बनाए रखेगा। कार्तिक आर्यन ने जिस तरह से तांडव नृत्य किया है, उसके लिए फिल्म के दूसरे भाग को विशेष रूप से प्रशंसकों और समीक्षकों से बहुत प्रशंसा मिल रही है। जहां लोग युवा सितारे के नृत्य कौशल से परिचित हैं, वहीं उनका तांडव प्रदर्शन उनकी प्रतिभा के एक और आयाम को दर्शाता है।

दिशा पटानी जिम डे रूटीन

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री और दिशा पटानी ने जिम में अपने नियमित दिन की एक झलक साझा की है और यह देखकर हर कोई हैरान है। दिशा ने इंस्टाग्राम पर एक छोटा सा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में एक सीन करती नजर आ रही हैं। क्लिप में, वह चलती हुई दिखाई दे रही हैं और दो लोगों द्वारा छेड़ा जा रहा है। इसके बाद जो होता है वह सभी को चौंका देने वाला होता है। अभिनेत्री को अपने फ्लॉलेस मार्शल आर्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए देखा जाता है और एक ड्रामा वर्जन में, वह पुरुषों की पिटाई करते हुए दिखाई देती है। जिम में बस एक नियमित दिन, दिशा ने लिखा, जिनकी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ डेटिंग की खबर अफवाह हैं। फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर उनके वीडियो को वर्तमान में 2.2 मिलियन बार देखा जा चुका है। दिशा के कौशल को देखकर टाइगर की बहन कृष्णा श्रॉफ हैरान रह गई और उन्होंने कमेंट किया- टू गुड।

टॉम क्रूज ने किया खुलासा

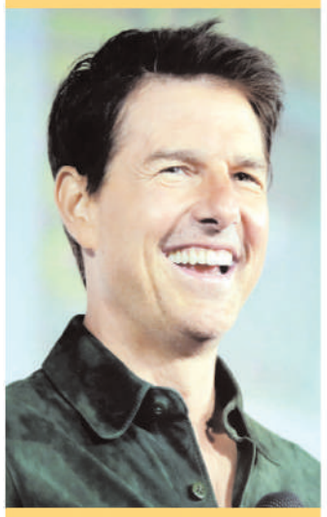

लॉस एंजिल्स (आईएएनएस)। हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज का कहना है कि टॉप गन में नेवी पायलट पीट 'मावरिक' मिशेल की भूमिका को उतारना 'जीवन बदलने वाला' था। रिपोर्ट के अनुसार, हॉलीवुड स्टार ने हमेशा पायलट या अभिनेता बनने का सपना देखा था। जब वह दोनों करियर को एक फिल्म में जोड़ सकते थे, तो यह उनके लिए एक बड़ा रोमांच था। 59 वर्षीय अभिनेता ने हेलो पत्रिका को बताया, मैं केवल एक पायलट या एक अभिनेता बनना चाहता था, इसलिए टॉप गन कई मायनों में एक बहुत बड़ा क्षण था, जिसमें विमानन के लिए मेरा जुनून भी शामिल था। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला था।

निर्माता नहीं बढ़ाएंगे टिकट की कीमत

हैदराबाद (आईएएनएस)। एक्टर अदिवी शेष की फिल्म मेजर 3 जून को रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्माताओं ने अनिल रविपुडी की तरह मल्टीप्लेक्स और अन्य थिएटरों में मानक टिकट की कीमतों के साथ जाने का फैसला किया है। निर्माताओं ने कहा है कि टिकट की कीमतें देश भर के लोगों के लिए बेहद सस्ती होंगी, फिल्म का असली उद्देश्य 26/11 के शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन को सम्मानित करना है। फिल्म में 26/11 के नायक की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अदिवी शेष और निर्माताओं का मानना है कि इस फिल्म को हमारे बहादुर सैनिकों को राष्ट्रीय गौरव और सम्मान के रूप में देखना चाहिए। इससे पहले, वेंकटेश और वरुण तेज की फिल्म एफ 3 के निर्माताओं ने घोषणा की कि वे फिल्म के टिकट की कीमतें नहीं बढ़ाएंगे।

रुबीना दिलैक की फिल्म का गाना रिलीज

मुंबई (आईएएनएस)। रुबीना दिलैक की फिल्म अर्थ के निर्माताओं ने रविवार को पहला गाना इश्क का मांझा रिलीज कर दिया है। यह गाना निर्देशक पलाश मुच्छल के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। दिल को छू लेने वाला रोमांटिक गाना इश्क का मांझा मशहूर सिंगर अरमान मलिक और पलक मुच्छल ने गाया है। खास बात यह है कि गाने के बोल भी पलक मुच्छल ने लिखे हैं। यह गाना रुबीना दिलैक और राजपाल यादव के प्यार भरे संबंध और भावनाओं को दर्शाता है। गाने में राजपाल यादव क्वालिटी टाइम बिताने के लिए अपने पत्नी को बाहर ले जाते हैं। फिल्म और गाने के बारे में पूछे जाने पर, पलाश मुच्छल ने कहा, यह गीत मेरे दिल के बहुत करीब है। अरमान मलिक और मेरी बहन पलक मुच्छल ने गाने की भावनाओं को खूबसूरती से उभारा है। यह यह मेरी पहली फीचर फिल्म है और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा। उन्होंने आगे कहा, यह रुबीना और मेरी पहली फिल्म है। दर्शक राजपाल यादव और कुलभूषण खरबंदा का एक नया अवतार देखेंगे। फिल्म के बारे में बात करते हुए रुबीना ने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है। फिल्मी सफर में यह मेरा पहला कदम है। मैं रोमांचित और आभार महसूस कर रही हूं।

'यशोदा देवी' की कहानी करेगी प्रेरित

पणजी (आईएएनएस)। एक ऑडियो और वेब सीरीज के जरिए बिहार के पश्चिम चंपारण जिले की एक छोटे शहर की महिला 'यशोदा देवी' की प्रेरक कहानी लोगों के सामने दर्शाई जाएगी। इसमें 'यशोदा देवी' के परीक्षण, कष्ट और उनकी चुनौतीपूर्ण जिंदगी ऑडियो और एक वेब सीरीज के जरिए जल्द ही दुनिया को सुनने और देखने को मिलेंगी। इस सप्ताह की शुरूआत में दो दिवसीय 'ग्लोबल इंटरनेशनल फोर फॉक्स अचीवर अवार्ड्स 2022' के दौरान इसकी घोषणा की गई थी। वहीं इसकी पुस्तक, 'यशोदाः द रियल स्टोरी ऑफ ए स्वयंप्रभा वुमन' 2021 के अंत में लॉन्च की गई थी। फोर फॉक्स प्रोडक्शन के संस्थापक माहिर करजकर ने कहा, हमारी जल्द ही ऑडियो और वेब सीरीज के माध्यम से यशोदा देवी की उत्साहजनक कहानियों को लोगों के सामने दिखाने की योजना है। अब नायक के सफल संघर्ष पुस्तक से नए जमाने के मीडिया आउटलेट तक यात्रा करेंगे। प्रसिद्ध कलाकार और कार्यकर्ता डॉ. बबीता बिस्वास ने कहा, यशोदा चाहती थीं कि शीर्ष सहित सभी स्तरों पर महिलाएं बातचीत को नया आकार दें और सुनिश्चित करें कि महिलाओं की आवाज सुनी जाए, न कि अनदेखी की जाए। पुस्तक के लेखक मनोज कुमार राव को ग्लोबल इंटरनेशनल फोर फॉक्स अचीवर अवाड्र्स द्वारा 2022 के सर्वश्रेष्ठ लेखक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लेखक राव ने कहा है कि, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है कि यशोदा देवी की कहानियों को ऑडियो और वेब श्रृंखला के माध्यम से बताया जाएगा, जो समाज, खासकर महिलाओं के लिए एक नया अनुभव होगा। मेरी पहली किताब एक कथा है, एक स्व-स्वतंत्र महिला की, जिसकी जीवन यात्रा ने महिला सशक्तीकरण को परिभाषित किया और महिलाओं के आत्म-मूल्य को बढ़ावा दिया है। पत्रकार से लेखिका बनीं राव ने कहा कि, कहानियों को कहने के डिजिटल उपकरण महिलाओं को अपने दम पर शक्ति का दोहन करने में मदद करेंगे। राव ने आगे कहा है कि, व्यापक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बाधाओं के खिलाफ लड़ने और पितृसत्तात्मक समाज में अपने सपनों का सफलतापूर्वक पालन करने और महिलाओं को घर बनाने की अपनी भूमिका से परे जाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यशोदा की परीक्षा उनके जीवन का तरीका थी। इस साल की शुरूआत में, पूर्व मिस इंडिया शिवानी जाधव ने यशोदा नामक पुस्तक का अनावरण किया था और इसके लेखक को वर्ष 2021 के लेखक पुरस्कार से सम्मानित किया था।

'एसएसएमबी28' के निर्माता जल्द ही अपडेट करेंगे जारी

हैदराबाद (आईएएनएस)। तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू अपनी नई फिल्म सरकारू वारी पाटा की बॉक्स ऑफिस पर सफलता से उत्साहित हैं, जबकि उनकी आगामी फिल्म एसएसएमबी28 के निर्माता एक बड़ी घोषणा के लिए तैयार हैं। एसएसएमबी28 के निर्माता जाहिर तौर पर फिल्म के पहले लुक और शीर्षक का बड़े पैमाने पर खुलासा करेंगे। निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने जाहिर तौर पर महेश की महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए एक दिलचस्प शीर्षक तय किया है। 'खलेजा' के बाद 'एसएसएमबी28' महेश और त्रिविक्रम का दूसरा सहयोग है। यह महेश बाबू की 28 वीं फिल्म है।

शेयर समीक्षा : वैश्विक रुख व एफआईआई के रुझान से तय होगी दिशा

अगले सप्ताह भी रहेगा बाजार में उतार-चढ़ाव

मुंबई। बीते सप्ताह लगभग तीन प्रतिशत की तेजी में रहे शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी उतार-चढ़ाव रहेगा। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वैश्विक कारकों और विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई के रुझान से तय होगी। इसके अलावा मासिक डेरिवेटिव निपटान की वजह से घरेलू बाजारों में उतार-चढ़ाव रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और मंदी निवेशकों के लिए चिंताजनक है। इसलिए, विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि घरेलू निवेशकों के समर्थन के कारण भारतीय शेयर बाजार बेहतर स्थिति में हैं। मई वायदा सौदा निपटान को लेकर अगले सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। वैश्विक फ्रंट पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के मिनट्स 25 मई को जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। साथ ही डॉलर इंडेक्स और अन्य कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। वृहद स्तर पर कई चीजें मसलन ऊंची मुद्रास्फीति और आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में बढ़ोतरी बाजार को प्रभावित करेगी। सप्ताह के दौरान सेल, जोमैटो, अडाणी पोर्ट्स, दीपक फर्टिलाइजर्स, इंटरग्लोब एविएशन, हिंडाल्कोए एनएमडीसीए गेल और गोदरेज इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजे आएंगे। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1532.77 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54326.39 अंक और एनएसई का निफ्टी 484 अंक की बढ़त लेकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16266.15 अंक पर रहा।

शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 178650.71 करोड़ रुपए बढ़ा, रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक फायदे में रही

सेंसेक्स की शीर्ष पांच कंपनियों में से तीन के बाजार मूल्यांकन मार्केट कैप में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 178650.71 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 131320.8 करोड़ रुपए बढ़कर 1773889.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 30814.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 546397.45 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 16515.02 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 733156.15 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट टीसीएस की बाजार हैसियत 43743.96 करोड़ रुपए घटकर 1205254.93 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 20129.66 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 612303.26 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष पांच कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही।

टॉप टेन कंपनियों में शामिल हुई एलआईसी

कारोबार के पहले दिन एलआईसी 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई। फिलहाल एलआईसी शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में 522602.94 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ छठे स्थान पर है। बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में आईसीआईसीआई बैंक 493251.86 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ सातवें, भारतीय स्टेट बैंक 412763.28 करोड़ रुपए के पूंजीकरण के साथ आठवें स्थान पर है। एचडीएफसी 399512.68 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ नौवें और भारती एयरटेल 377686.72 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ दसवें स्थान पर है।

एफपीआई ने मई में अब तक 35000 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई की निकासी का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय बाजारों से 35000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में बढ़ोतरी और डॉलर की मजबूती की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल बने हुए हैं। इस तरह एफपीआई 2022 में अब तक भारतीय बाजारों से 1.65 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। कच्चे तेल के ऊंचे दाम, मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक रुख और अन्य कारकों से आगे भी एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला बना रहेगा। विदेशी निवेशक अप्रैल, 2022 तक लगातार सात महीने भारतीय बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने शुद्ध रूप से 1.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की है। लगातार छह माह तक बिकवाली के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई ने शेयरों में हालांकि 7707 करोड़ रुपए का निवेश किया था। लेकिन उसके बाद 11 से 13 अप्रैल तक कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में वे एक बार फिर बिकवाल बन गए। समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से शुद्ध रूप से 6133 करोड़ रुपए निकाले हैं। भारत के अलावा अन्य उभरते बाजारों मसलन ताइवान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और फिलिपीन से भी एफपीआई ने निकासी की है।

इस्पात की पीएलआई योजना को धीमा रिस्पांस

अब तक मिले सिर्फ 10 आवेदन

नई दिल्ली। खास तरह के उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले विशेष प्रकार इस्पात स्पेशियलिटी स्टील के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन पीएलआई योजना के तहत अबतक सिर्फ 10 आवेदन ही मिले हैं। यह स्थिति आवेदन की अंतिम तारीख दो बार बढ़ाए जाने के बावजूद है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्पेशियलिटी इस्पात क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत किए गए आवेदनों की कम संख्या को देखते हुए इसकी अंतिम तारीख एक बार और बढ़ाई जा सकती है। विशेष इस्पात से जुड़ी पीएलआई योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तारीख पहले 29 मार्च रखी गई थी जिसे बाद में बढ़ाकर 30 अप्रैल और फिर 31 मई, 2022 किया गया। इसके बावजूद अब तक सिर्फ 10 आवेदन ही मिल पाए हैं। वहीं इसके लिए पंजीकरण कराने वाली कंपनियों की संख्या 58 रही है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को बाजार से अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने के बावजूद आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने के पीछे के तर्क के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय अभी पीएलआई योजना का संशोधित खाका लेकर आने वाला है। कुछ इस्पात कंपनियों ने पीएलआई योजना के प्रावधानों को लेकर आशंकाएं जताई थीं जिसके बाद इसमें बदलाव की प्रक्रिया शुरू की गई। स्पेशियलिटी स्टील के लिए संशोधित पीएलआई योजना लाई जा सकती है। सरकार इसमें विशेष इस्पात के उत्पादन पर एक समान प्रोत्साहन देने का प्रावधान कर सकती है। खासकर रक्षा उपकरणों में इस्तेमाल होने वाला इस्पात बनाने वाली कंपनियों को कुछ अलग रियायत दी जा सकती है।

6322 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 22 जुलाई, 2022 को देश में विशेष इस्पात का उत्पादन बढ़ाने के लिए 6322 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। इससे करीब 40000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश आने और 5.25 लाख रोजगार अवसर पैदा होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि द्वितीयक स्तर की कंपनियों के लिए न्यूनतम निवेश की सीमा और स्थापित की जाने वाली न्यूनतम क्षमता से जुड़ी बंदिश भी हटाई जा सकती है।

फ्रूटी और मिक्स जूस होगा महंगा

नई दिल्ली। सरकार ने एक जुलाई से सिंगल यूज वाले प्लास्टिक पैकेट पर रोक लगाने का फैसला लिया है। इसके चलते फ्रूटी और मिस्स जूस महंगा हो सकता है। अगस्त 2021, पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए पब्लिक वेस्ट मैनेजमेंट नियम के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक पर जुलाई 2022 से प्रतिबंध रहेगा। इस नियम के तहत प्लास्टिक प्लेट, कप, कटलरी, रैपिंग कवर, पीवीसी बैनर, फ्लैग स्टिक के यूज पर प्रतिबंध रहेगा। इस नए नियम ने कंपनियों को परेशान कर दिया है। कंपनियों के पास मौजूद विकल्प में पेपर स्ट्रॉ या जूस बॉक्स को फिर से डिजाइन करने का विकल्प है। जिसकी वजह से 10 रुपए के पैकेट पर खर्च बढ़ जाएगा। साथ ही पेपर स्ट्रॉ का लोकल बेहतर विकल्प ना मिलने की वजह से कंपनियों को इसे चीन, मलेशिया से मंगाना पड़ सकता है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पैक पर रोक का असर

6 अरब जूस पैकेट्स हर एक साल बेचती हैं कंपनियां

इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक भारत में जूस कंपनियां 6 अरब जूस पैकेट्स हर एक साल बेचती हैं। डॉबर, पारले एग्रो, कोका-कोला, पेप्सिको जैसे ब्रांड अपने फ्रूट जूस का 60 फीसदी छोटे पैकेट्स में बेचते हैं। फिलहाल सभी कंपनियां सरकार की तरफ से किसी नई घोषणा का इंतजार कर रही हैं।

छात्रों द्वारा आयोजित "सड़क सुरक्षा सप्ताह" रैली निकाल कर लोगों को किया गया जागरूक

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। शासन के निदेर्शानुसार कुटीर पीजी कालेज चक्के में महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस एवं रोवर्स रेंजर्स तीनों इकाइयों के तत्वाधान में छात्रों द्वारा आयोजित "सड़क सुरक्षा सप्ताह" रैली निकाल कर लोगों को किया गया जागरूक। रैली के माध्यम से छात्रों ने क्षेत्र के नागरिकों को सड़क एवं यातायात से सम्बंधित सावधानियों के बारे में जागरूक करते हुए महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ चित्रसेन गुप्ता, रेंजर प्रभारी डॉ पूनम सिंह, रोवर्स प्रभारी डॉ अनुज शुक्ल, एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ संजय यादव की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं ने स्थानीय नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया तथा उन्हें रोड पर चलते वक्त यातायात के नियमों का पालन करने को कहा। वही अपने आस-पड़ोस के लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी अपील किया। रैली के दौरान विना हेलमेट वाले दुपहिया वाहन चालकों को रोककर हेलमेट के महत्व को बताते हुए तथा चार पहिया वाहनों को चलाते हुए सीट बेल्ट का उपयोग करने की जानकारी भी दीया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 में अपने मुनाफे में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। बैंक ने कहा है कि शुद्ध ब्याज आय एनआईआई में बढ़ोतरी तथा डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटने से वह मुनाफे में अच्छी वृद्धि हासिल कर पाएगा। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक ने 1150 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के 550 करोड़ रुपए के दोगुने से भी अधिक है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एएस राजीव ने कहा, इस वित्त वर्ष में हमारा शुद्ध लाभ और बढ़ेगा। पिछले साल हमने संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार के लिए परिचालन मुनाफे से अधिक प्रावधान किया था। अब हमारी शुद्ध गैर निष्पादित आस्तियां एनपीए एक प्रतिशत से नीचे आ गई हैं। सकल एनपीए भी चार प्रतिशत से कम है। राजीव ने कहा, चालू वित्त वर्ष में हमें शुद्ध ब्याज आय 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7500 करोड़ रुपए पर पहुंचने की उम्मीद है।

पेट्रोल-डीजल सस्ता करने का बोझ झेलेगी सरकार, राज्यों की कमाई पर नहीं होगा असर : वित्तमंत्री

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती का असर राज्यों की कमाई पर नहीं होगा। पेट्रोल-डीजल सस्ता करने और गैस सिलेंडर पर सब्सिडी का सारा बोझ केन्द्र सरकार उठाएगी। यह बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्वीट करते हुए पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क के कुछ फैक्ट्स के बारे में बताया है। उनके अनुसार उत्पाद शुल्क में बेसिक एक्साइज ड्यूटी, स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस और एग्रिकल्चर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस होता है। बेसिक एक्साइज ड्यूटी को राज्यों के साथ भी बांटा जाता है, वहीं स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटीए रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस और एग्रिकल्चर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस को किसी से साथ साझा नहीं किया जाता। पेट्रोल पर 8 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी की कटौती की गई है। यह कटौती पूरी तरह से रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस में से की गई है। मोदी सरकार ने इस साल पीएम उज्ज्वला योजना के करीब 9 करोड़ लाभार्थियों को गैस सब्सिडी देने का भी फैसला किया है। सरकार ने कहा है कि वह प्रति गैस सिलेंडर 200 रुपए की सब्सिडी देगी। निर्मला सीतारमण ने कहा इससे माताओं-बहनों को बहुत मदद मिलेगी और सरकार पर सालाना करीब 6100 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा।

सरकार को एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान

वित्तमंत्री ने कहा है 21 मई को एक्साइज ड्यूटी में की गई कटौती से सरकार को करीब एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा, जबकि नवंबर 2021 की कटौती से सरकार को लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

भीषण गर्मी के चलते बिक्री हुई दोगुना

फ्रिज, एसी की मांग में दोगुना इजाफा

नई दिल्ली। देश में फ्रिज, एसी व पंखों की मांग में जोरदार उछाल देखेन को मिल रह है। भीषण गर्मी के बीच ठंडक के अहसास के लिए लोग जमकर एसी व फ्रिज की खरीदारी कर रहे हैं। सूत्रों क मुताबिक इन गर्मियों में एसी, फ्रिज व पंखों की बिक्री दोगुना हो गई है। अनबॉक्स्ड समर 2022 रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 की तुलना में इस बार रेफ्रिजरेटर की बिक्री सौ प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, वहीं एसी भी तीन गुना ज्यादा बिके हैं। कूलर की बिक्री 2.5 गुना अधिक रही और इनकी सर्वाधिक बिक्री पुणे में हुई। पंखों की बिक्री भी दोगुनी रही और हर पांच में से एक ग्राहक बेंगलुरु से था। बाजार सूत्रों के मुताबिक उपभोकता आरामदायक और बिजली की कम खपत करने वाले उत्पाद ले रहे हैं। पोर्टेबल एसी में से 50 फीसदी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में खरीदे गए। वहीं 62 फीसदी हॉट ऐंड कोल्ड एसी दिल्ली-एनसीआर में इन गर्मियों में खरीदे गए। हैदराबाद, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु में बिके कुल एसी में सर्वाधिक संख्या बिजली की कम खपत करने वाले फाइव स्टार एसी की थी।

इंदौर में थ्री स्टार एसी की मांग

अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई, वडोदरा और इंदौर मे 50 फीसदी से अधिक खरीदारों ने थ्री स्टार एसी खरीदे। रिपोर्ट में बताया गया कि मुंबई, ठाणे, पुणे और कोलकाता में बिकने वाले ज्यादातर एसी एक टन के थे, उत्तर और मध्य भारत में 1.5 टन के एसी ज्यादा खरीदे गए और इस क्षमता के एसी की संख्या कुल बिक्री में 60 फीसदी रही।

बुनियादी ढांचा में लागत बढ़ी

नई दिल्ली। विभिन्न कारणों के चलते बुनियादी ढांचा क्षेत्र में परियोजनाओं की लागत में इजाफा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 425 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.83 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1579 परियोजनाओं में से 425 की लागत बढ़ी है, जबकि 664 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन 1579 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 2195196.72 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 2678365.62 करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है।

एचकेजी का मुनाफा 108 फीसदी उछला

मुंबई। एचकेजी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 108 फीसदी उछला है। कंपनी का कर बाद लाभ के साथ सालाना आधार पर 108 फीसदी उछलकर 1.47 करोड़ रुपए रहा है। 31 मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी का कुल राजस्व 319 फीसदी तिमाही दर तिमाही बढ़कर 3.97 करोड़ रुपए रहा और कर के बाद मुनाफा 17.18 फीसदी तिमाही दर तिमाही बढ़कर 0.45 करोड़ रुपए हो गया। एचकेजी द्वारा संचालित एरिया ऑनलाइन स्थानीय व्यापारियों को वैश्विक रूप से डिजिटल रूप में ले जाने व व्यवसाय को बढ़ाने में मदद का अवसर दे रहा है।

राज्यों से भी वैट घटाने का अनुरोध

उत्पाद शुल्क में कटौती स्वागतयोग्य : उद्योग जगत

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत और निर्यातकों ने सरकार द्वारा डीजल-पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में कटौती का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार का कदम स्वागत योग्य है। इससे निश्चित रूप से देश की जनता को महंगाई से राहत मिली। उद्योग जगत ने राज्य सरकारों से भी केन्द्र की तर्ज पर वैट घटाकर जनता को राहत देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल एवं डीजल के दामों में कटौती से परिवहन लागत घटेगी और मुद्रास्फीति भी कम होगी। उद्योग मंडल सीआईआई के अध्यक्ष संजीव बजाज ने कहा, ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाने के सरकार के कदम का सीआईआई स्वागत करता है, इससे मुद्रास्फीति नीचे आएगी। सरकार का त्वरित कदम आम आदमी पर भार कम करने का इरादा दर्शाता है, इसके साथ ही कई क्षेत्रों में निर्माण लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए राज्य सरकारें भी ऐसे कदम उठाएंगी जिससे लोगों को और राहत मिलेगी। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती के लिए सरकार का आभार जताया। व्यापारी संगठन कैट ने कहा कि ईंधन के दामों में कटौती से वस्तुओं के दाम 10 फीसदी तक घटेंगे।

नशेड़ी पतियों ने एक का चेहरा जलाया दूसरे को घर से निकाला

प्रखर सहजनवा गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के दो गांव में नशेड़ी पति आने पत्नीयो के साथ खूब उत्पीड़न किया एक नए तो अपनी पत्नी का चेहरा ही जला दिया। तो दूसरे ने पत्नी को पीट कर घर से बाहर भगा दिया। पीड़ित पत्नियां थाने में आरोपी पतियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सहजनवा थाना क्षेत्र के कुआवल कला निवासी महिला ने आरोप लगाया कि नशे की हालत में पति घर पर आये और बेवजह मारने पीटने लगे। सोमवार को दिन में 10 बजे के करीब पति ने लोहे के राड को गर्म कर चेहरा जला दिया। जब कि माट निवासी एक महिला ने आरोप लगाया की पति नशे की हालत में जब घर पहुचते है तो बच्चो गाली गुप्ता देते है। और मुझे मारते पीटते रहते है। रविवार शाम 8 बजे के करीब नशे की हालत में पति कमरे में बंद कर पीटा और घर बाहर निकाल दिया।

फिर से इंफोसिस के मुखिया बने सलिल पारेख

चार साल में कंपनी का कायाकल्प करने पर इनाम के रूप में मिली फिर से कमान

नई दिल्ली। कहते हैं दिल से की गई मेहनत कभी बर्बाद नहीं जाती। इसका जीता जीता सबूत सलिल पारेख हैं। जब उन्होंने इंफोसिस के एमडी और सीईओ की कमान संभाली थी, तब यह आईटी कंपनी कई तरह की चुनौतियों से जूझ रही थी, लेकिन सलील पारेख ने अपने पहले कार्यकाल में सिर्फ चार साल में ही अपनी मेहनत और अनुभव के आधार पर बेहतरीन नेतृत्व का उदाहरण पेश करते हुए कंपनी का कायाकल्प कर दिया। उनकी मेहतन का फल उन्हें मिला और आई कंपनी इंफोसिस के निदेशक मंडल ने एक बार फिर चार साल के लिए उन्हें इंफोसिस की कमान सौंपी है। उनकी नियुक्ति मार्च 2027 तक के लिए की गई है। उन्होंने 2018 में कंपनी के सीईओ और एमडी का पद संभाला था। इंफोसिस में शामिल होने से पहले सलिल पारेख कैपजेमिनी के ग्रुप एग्जिक्यिटिव बोर्ड में सदस्य थे। उन्होंने करीब 25 साल तक कैपजेमिनी के साथ काम किया और कई अहम जिम्मेदारियां निभाई। यहां तक कि उन्हें नॉर्थ अमेरिका में कैपजेमिनी के टर्नराउंड स्टोरी का आर्किटेक्ट भी कहकर पुकारा जाता है। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल की है। सलिल पारेख ने कंपनी की बागडोर तब थामी, जब इंफोसिस अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी टीसीएस से लगातार पिछड़ती जा रही थी। उस वक्त कंपनी के सीईओ थे विशाल सिक्का, जिनका कंपनी के फाउंडर सदस्यों के साथ विवाद चल रहा था। आलम ये था कि सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हो रही थी। और तभी एंट्री हुई सलिल पारेख की, जिसने कंपनी को फिर से संभाला और तेजी से सफलता की ओर बढ़ाना शुरू किया।

खोई जमीन हासिल करते हुए कमाया मुनाफा

कंपनी की अंदरूनी कलह के चलते निवेशक और क्लाइंट दोनों का ही कंपनी से भरोसा उठने लगा था। ऐसे में सलिल पारेख को उनका भरोसा जीतने की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने अपनी मेहनत से धीरे-धीरे कंपनी की खोई जमीन हासिल की और सिर्फ चार सालों में ही कंपनी का कायाकल्प कर दिया। इस दौरान कंपनी का बिजनस भी बढ़ा और मुनाफा भी बढ़ा। यहां तक कि निवेशकों के पिछले चार सालों में दोगुने से भी अधिक रिटर्न मिला है। 2018 में इंफोसिस के रेवेन्यू में डिजिटल रेवेन्यू की हिस्सेदारी सिर्फ 25.5 फीसदी थी, जो पिछले चार सालों में बढ़कर 58.5 फीसदी तक जा पहुंची है।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय-मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है। ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है। किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं। 1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली धास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनेा के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं। खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देंखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए। शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	14	10	4	20
राजस्थान	14	9	5	18
लखनऊ	14	9	5	18
बेंगलोर	14	8	6	16
दिल्ली	14	7	7	14
पंजाब	14	7	7	14
कोलकाता	14	6	8	12
हैदराबाद	14	6	8	12
चेन्नई	14	4	10	8
मुंबई	14	4	10	8

ऑरेंज कैप

जोस बटलर

629 रन

राजस्थान रॉयल्स

पर्पल कैप

युजुवेंद्र चहल

26 विकेट

राजस्थान रॉयल्स

खबर संक्षेप

धन्यवाद मुंबई, हम इसे याद रखेंगे : कोहली

मुंबई। मुंबई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स पर पांच विकेट की रोमांचक जीत से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच गया जिसके बाद विराट कोहली ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'धन्यवाद मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।' मुंबई ने शनिवार को दिल्ली को हराकर चौथी जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। कोहली ने कहा, 'यह अविश्वसनीय था। भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था। धन्यवाद, मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।'

थोड़े बदलाव करने से वापसी कर लूंगा

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजी में काफी कुछ उनके अनुकूल नहीं रहा। इस निराशाजनक सत्र के बावजूद उनकी रातों की नींद

गायब नहीं हुई और थोड़े बदलाव करने से वह फिर से फॉर्म में वापसी कर लेंगे। रोहित के लिए इंडियन प्रीमियर लीग का यह सत्र बेहद निराशाजनक रहा। आईपीएल के 2008 में पहले सत्र में पदार्पण करने से लेकर पहली बार ऐसा हुआ जबकि वह एक भी अर्धशतक बनाने में नाकाम रहे। इस सलामी बल्लेबाज ने 14 मैचों में 19.14 के औसत और 120.17 के स्ट्राइक रेट से केवल 248 रन बनाए।

जूडो: सात वजन वर्गों में होगा चयन ट्रायल

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण ने रविवार को कहा कि देश में जूडो चयन की देखरेख के लिए नामित समिति बर्मिंघम में होने

वाले आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए 23 से 26 मई तक सात वजन वर्गों में अंतिम ट्रायल्स आयोजित करेगी। साई ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'महिला खिलाड़ियों के लिए ट्रायल्स यहां 23 और 24 मई को कराए जाएंगे जबकि पुरुष जूडोका के लिए ट्रायल्स पटियाला में 25 और 26 मई को कराए जाएंगे।'

केरल ने 'ओडिशा' को 7-1 से हराया

भुवनेश्वर। गोकुलम केरल ने रविवार को यहां इंडियन वुमैन्स लीग के फुटबॉल मैच में 'स्पोर्ट्स ओडिशा' को 7-1 से हराकर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। स्ट्राइकर एलशादाई अचियामपोंग ने केरल की टीम के लिए चार गोल दागे जबकि विंगर सौम्या गुगुलोथ ने दो गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की। मनीषा ने इस बड़ी जीत में एक गोल दागा। ओडिशा की टीम के लिए प्यारी खाका ने सांत्वना गोल किया। इस जीत से गोकुलम केरल के लीग में लगातार 10 जीत से 30 अंक हैं।

लीपजिग बना जर्मन कप चैंपियन

बर्लिन। लीपजिग ने दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद शानदार वापसी करके फ्रीबर्ग को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर जर्मन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फ्रीबर्ग को मैक्समिलन एगस्टीन ने 19वें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी। ऐसे में 57वें मिनट में मार्सेल हेस्टनबर्ग को लाल कार्ड मिलने से लीपजिग को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लीपजिग के क्रिस्टोफर नाकुंकु ने 76वें मिनट में बराबरी का गोल करके मैच को अतिरिक्त समय और पेनल्टी तक खींचा। पेनल्टी में फ्रीबर्ग के कप्तान क्रिश्चियन गुंटर और एर्मिडिन डेमिरोविक दोनों गोल करने में नाकाम रहे। लीपजिग का यह 2009 में स्थापना के बाद पहला खिताब है। क्लब पिछले साल बोरुसिया डॉर्टमंड और 2019 में बायर्न म्यूनिख से फाइनल हार गया था।

एमबापे ने पीएसजी से किया तीन साल का नया करार

पेरिस। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर काइलन एमबापे ने रियल मैड्रिड की पेशकश ठुकराकर अपने वर्तमान क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ तीन साल का नया करार किया है, जिसका जश्न उन्होंने फ्रांसीसी लीग में हैट्रिक जमाकर मनाया। पीएसजी की अपने घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंस में खेले गए मैच में मेट्ज के खिलाफ 5-0 की जीत से पहले फ्रांस के विश्व कप विजेता स्टार ने प्रशंसकों को संबोधित किया। एमबापे ने कहा, 'मैं इस यात्रा को जारी रखने, फ्रांस में रहने, अपने शहर पेरिस में रहने से खुश हूं। मैं हमेशा कहता रहा हूं कि पेरिस मेरा घर है। मुझे उम्मीद है कि मैं वह करना जारी रखूंगा जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। यह फुटबॉल खेलना और ट्राफियां जीतना है।' इससे पहले पीएसजी के अध्यक्ष

नासिर अल खेलाफी ने नये करार की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। काइलन एमबापे 2025 तक हमारे साथ बने रहेंगे।' एमबापे का पीएसजी के साथ पिछला अनुबंध जून में समाप्त हो रहा था।

द.अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का ऐलान

टी20: उमरान, अर्शदीप नए चेहरे, राहुल कप्तान, हार्दिक और कार्तिक की वापसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक को उम्मीद के अनुरुप दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ जून से शुरू हो रही आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुना गया। उमरान ने अभी तक आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 13 मैचों में 21 विकेट झटके हैं लेकिन उनके लगातार 95 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने की क्षमता ने सभी को आकर्षित किया। उमरान के अलावा पंजाब किंग्स के 'डेथ ओवरों' के विशेषज्ञ अर्शदीप सिंह को भी पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुना गया।

- कोहली, रोहित, बुमराह और मो.शमी को आराम

नियमित कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है जिसमें ऋषभ पंत उप कप्तान होंगे। रोहित, कोहली और बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ एक से पांच जुलाई को एजबेस्टन में होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए 15 जून को इंग्लैंड के लिए उड़ान पकड़ेंगे। आल राउंडर हार्दिक पंड्या और दिनेश कार्तिक की वापसी हुई है।

भारत की टी20 टीम

लोकेश राहुल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उप कप्तान, विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

भारतीय टेस्ट टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केाना भरत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और प्रसिद्ध कृष्णा।

पुजारा की टेस्ट में वापसी

खराब फॉर्म से जूझ रहे चेतेश्वर पुजारा को काउंटी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने का ईनाम मिला है। श्रीलंका के खिलाफ हुई सीरीज के लिए चेतेश्वर पुजारा को नहीं चुना गया था। तब ऐसा लगा था कि उनका करियर खत्म हो गया है। लेकिन उसके बाद चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी क्रिकेट खेला

और वहां पर लगातार शतक पर शतक जड़ दिए, ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले इस अहम मैच को देखते हुए उन्हें वापस लाया गया है।

भारत-अफ्रीका टी20 सीरीज

दिनांक	मैच	स्थान
9 जून	पहला टी20	दिल्ली
12 जून	दूसरा टी20	कटक
14 जून	तीसरा टी20	विशाखापट्टनम
17 जून	चौथा टी20	राजकोट
19 जून	पांचवां टी20	बेंगलुरु

तैराक टिटमस ने 400 मी. में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ एडीलेड

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एरियन टिटमस ने ऑस्ट्रेलियाई तैराकी चैंपियनशिप में महिलाओं के 400 मीटर फ्रीस्टाइल में नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। ऑस्ट्रेलिया की इस तैराक ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई 'एक्वेटिक सेंटर' में रविवार को फाइनल में तीन मिनट, 56.40 सेकंड का समय लेते हुए केटी लेडेकी के रिकॉर्ड को तोड़ा। अमेरिका की केटी ने 2016 रियो ओलंपिक में तीन मिनट 56.46 सेकंड के साथ विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। टिटमस ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक के 200 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण जीता था।

आईपीएल : पंजाब ने हैदराबाद को 5 विकेट से हराया, लीग मैच खत्म

लिविंगस्टोन ने बनाए नाबाद 49 रन, जड़ा टूर्नामेंट का 1000वां छक्का

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अपने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर पंजाब किंग्स ने आईपीएल के आखिरी लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को रविवार को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान का अंत जीत के साथ किया। बल्लेबाजों की मददगार पिच पर सनराइजर्स सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। जवाब में पंजाब ने 15.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

लियाम लिविंगस्टोन ने 22 गेंद में पांच छक्कों की मदद से नाबाद 49 रन बनाए और टूर्नामेंट का एक हजारवां छक्का

भी जड़ा। पंजाब की टीम 2014 में फाइनल खेलने के बाद से कभी प्लेआफ में नहीं पहुंची है। पंजाब छठे और सनराइजर्स आठवें स्थान पर रही। इससे पहले पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने भारतीय टीम में चयन का जश्न किफायती गेंदबाजी के साथ मनाते हुए चार ओवर में सिर्फ 25 रन दिए। वहीं हरप्रीत बरार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने प्रियम गर्ग, राहुल त्रिपाठी और एडेन मार्कराम को पवेलियन भेजा। चार क्वालीफायर टीमें तय हो चुकी थी लिहाजा यह मैच औपचारिकता मात्र बचा था।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
प्रियम का अग्रवाल बो रबाडा	04	07	0	0
अभिषेक का लिविंगस्टोन बो बरार	43	32	5	2
त्रिपाठी का धवन बो बरार	20	18	1	1
मार्करम रट शर्मा बो बरार	21	17	2	0
पूरन का शर्मा बो एलिस	05	10	0	0
सुंदर का धवन बो एलिस	25	19	3	1
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	26	15	2	2
सुचित का मांकड़ बो एलिस	00	01	0	0
भुवनेश्वर कुमार रन आउट	01	01	0	0
उमरान मलिक नाबाद	00	01	0	0
अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 157/8				
गेंदबाजी : लिविंगस्टोन 4-0-25-0, अर्शदीप 4-0-25-0, रबाडा 4-0-38-1, एलिस 4-0-40-3, बरार 4-0-26-3.				
पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
जॉनी बेयरस्टॉ बो एहरुखी	23	15	5	0
शिखर धवन बो एहरुखी	39	32	2	2
शाहरुख का सुंदर बो मलिक	19	10	2	1
मयंक का सुचित बो सुंदर	01	04	0	0
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	49	22	2	5
जितेश का गर्ग बो सुचित	19	07	3	1
पेसक मांकड़ नाबाद	04	01	1	0
अतिरिक्त : 06, कुल : 15.1 ओवर में 160/5				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 2-0-22-0, सुंदर 2-0-19-1, एहरुखी 4-0-32-2, सुचित 4-0-38-1, मलिक 2.1-0-24-1, शेफर्ड 1-0-23-0				

मोदी ने की थॉमस कप चैंपियन टीम से मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की और कहा कि यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। मोदी ने कहा, 'मैं देश की तरफ से पूरी टीम को बधाई देता हूं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। आपने कर दिखाया। एक दौर था जब हम इन टूर्नामेंटों में इतने पीछे थे कि यहां किसी को पता ही नहीं चलता था।'

एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती मुकाबला आज

युवा हॉकी टीम को दबाव से निपटने की जरूरत

एजेंसी ▶▶ जकार्ता

भारत की दूसरी श्रेणी की हॉकी टीम सोमवार को जब यहां एशिया कप में अपने खिताब के बचाव की शुरुआत करने के लिए पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसे कुशलता से दबाव से निपटना होगा।

- शीर्ष तीन टीमें राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप के लिए करेंगी क्वालीफाई

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में कुछ नए चेहरों को उतारा है तो भारत अनुभवी बीरेंद्र लाकड़ा की अगुआई में अपनी 'ए' टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। लाकड़ा ने टोक्यो ओलंपिक के बाद संन्यास से

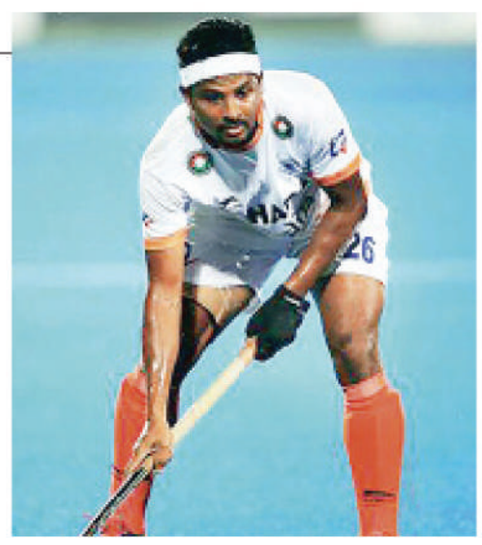

वापसी की है। भारत के लिए एशिया कप व्यस्त सत्र से पहले अपनी 'बेंच स्ट्रेंथ' को आजमाने का मंच प्रदान करेगा जिसमें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और अगले साल एफआईएच विश्व कप शामिल है जिसके लिए टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने मेजबान देश के तौर पर पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान इस टूर्नामेंट से भुवनेश्वर में होने वाले 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है। एशिया कप से शीर्ष तीन टीमें सीधे जनवरी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमें तीन तीन बार एशिया कप अपने नाम कर चुकी हैं।

10 खिलाड़ी करेंगे पदार्पण

भारत की 20 सदस्यीय टीम को पूर्व कप्तान सरदार सिंह कोचिंग दे रहे हैं। भारतीय टीम में अनुभवी एसवी सुनील शामिल हैं जिन्होंने भी संन्यास से वापसी की और उन्हें मैदान में काफी चुस्त और फुर्तीला माना जाता है। सुनील चोट के कारण टोक्यो ओलंपिक टीम में शामिल नहीं हो सके थे, वह उपकप्तान होंगे। भारतीय टीम में 10 ऐसे खिलाड़ी हैं जो सीनियर भारतीय टीम में पदार्पण करेंगे जिसमें यशदीप सिवाच, अभिषेक लाकड़ा, मंजीत, विष्णुकांत सिंह और उत्तम सिंह शामिल हैं। ये सभी जूनियर विश्व कप का हिस्सा थे। इनके अलावा टीम में नये खिलाड़ी जैसे मरीस्वारेन साकतिवेल, शेशे गौड़ा बीएम, पवन राजभार, अमरण सुदेव और एस कार्ति शामिल हैं।

फ्रेंच ओपन : पूर्व चैंपियन मुगुरुजा पहले दौर से बाहर

एजेंसी ▶▶ पेरिस

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन गार्बाइन मुगुरुजा फ्रेंच ओपन में लगातार दूसरे साल पहले दौर से बाहर हो गई। मुगुरुजा ने 2016 में रोलां गैरो पर खिताब जीता था। इस साल उन्हें दसवीं वरीयता दी गई थी लेकिन उन्हें एस्तोनिया की काइया कानेपी ने 2-6, 6-3, 6-4 से हराया।

कानेपी अगले महीने 37 वर्ष की हो जाएंगी और पेरिस में महिला ड्रॉ में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उन्हें 46वीं रैंकिंग मिली है और वह 15वीं बार यहां खेल रही है। पुरुष वर्ग में दो बार के उपविजेता डोमिनिक थीम पहले दौर में ही बाहर हो गए जिससे उनका हार का सिलसिला 10 मैचों का हो गया है। उन्हें बोलिविया के

87वीं रैंकिंग वाले हुजो डेलियेन ने 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। महिला वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 56वीं रैंकिंग वाली पोलैंड की मागडा लिनेटे ने 3-6, 7-6, 7-5 से मात दी।

संतुलित आहार के साथ-साथ आसन पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं - डॉ. चंद्रमणि

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा केंद्र तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में चल रहे "योग महोत्सव 2022" के चौथे दिन दिनांक 23 -5 - 2022 को पाचन तंत्र सुदृढ़ बनाने वाले आसनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रोफेसर सुशील कुमार गौतम निदेशक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा केंद्र के निर्देशन में संचालित हो। रहे योग महोत्सव में पाचन तंत्र पर आसनों के प्रभाव को आसनों एवं व्याख्यान के माध्यम से डॉ० चंद्रमणि असिस्टेंट प्रोफेसर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ने बहुत ही विस्तृत रूप में समझाया उन्होंने कहा कि "पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सात्विक एवं संतुलित आहार के साथ-साथ योगासनों का भी अभ्यास आवश्यक है उन्होंने कहा कि पाचन तंत्र के सुदृढ़ीकरण

में नियमित रूप से किया गया योगाभ्यास बहुत ही लाभदायक होता है,यह पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ शरीर के तमाम विकारों को दूर करता है। सूक्ष्म व्यायाम के बाद सूर्य नमस्कार के नियमित अभ्यास के साथ आज के सत्र का शुभारंभ हुआ जिसमें पाचन तंत्र को मजबूत करने वाले प्रमुख आसन जैसे सुप्तउदराकर्ष आसान , धनुरासन, तिर्यक ताड़ासन, उत्तानपादासन, वज्रासन, अर्धमत्स्येंद्रासन,नौकासन आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।साथ ही आसन के पूर्व की तैयारियों, कितनी देर तक आसन करें तथा आसनोंपरांत शारीरिक विश्राम की विभिन्न अवस्थाओं की जानकारी भी दी गई।नाड़ी शोधन प्राणायाम,शीतली प्राणायाम तथा भ्रामरी प्राणायाम के माध्यम से शरीर के वाह्य एवं आंतरिक शोधन का अभ्यास भी कराया गया। इस अवसर पर डॉ कुंदन सिंह, डॉक्टर बालरूप यादव,श्री अभिषेक कुमार मिश्र,श्री अमित कुमार गौतम श्री भूपेंद्र उपाध्याय,श्री रमेश यादव, श्री प्रताप शंकर दुबे,श्रीमती निशा यादव एवं सुश्री पूजा सोनकर के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी विद्यार्थी एवं नगर से आए प्रतिभागी उपस्थित थे`

केबी पीजी महाविद्यालय का चुनाव सकुशल हुआ संपन्न, प्रवीण दुबे अध्यक्ष, रोशनी महामंत्री हुई निर्वाचित

प्रखर मिजार्पुर। कन्हैया लाल बसन्त लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय का छात्रसंघ चुनाव आज दिनांक 22 मई 2022 को सकुशल संपन्न हुआ। के बी पी जी कालेज महाविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 2021-22 के परिणाम निम्नवत रहे।

अध्यक्ष पद हेतु प्रवीण दूबे (कुल मत) 594 पाकर विजयी रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी रोहित कुमार यादव को (कुल मत) 419 प्राप्त हुये।

उपाध्यक्ष पद हेतु राहुल प्रजापति (कुल मत) 461 पाकर विजयी रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी सूरज कुमार मौर्य (कुल मत) 436 प्राप्त हुये।

महामंत्री पद हेतु रोशनी जहाँ (कुल मत) 858 पाकर विजयी रही। उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी विकास ओझा को (कुल मत) 788 प्राप्त हुये।

पुस्तकालय मंत्री पद हेतु अंकित यादव (कुल मत) 1330 पाकर विजयी रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी विनीत दूबे को (कुल मत) 427 प्राप्त हुये।

कला संकाय प्रतिनिधि पद हेतु नितेश दुबे (कुल मत) 517 पाकर विजयी रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी शुभम कुमार अग्रहरी को (कुल मत) 488 प्राप्त हुये। विज्ञान संकाय प्रतिनिधि पद पर नितिन दुबे निर्विरोध निर्वाचित हुये।

छात्रसंघ चुनाव कड़ी सुरक्षा

व्यवस्था में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी डॉ० गौरी शंकर द्विवेदी एवं प्राचार्य डॉ० अशोक कुमार सिंह ने सभी अध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र/छात्राओं, पुलिस एवं पी ए सी जिला प्रशासन तथा पत्रकार बन्धुओं को छात्रसंघ चुनाव शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में उनके सहयोग के लिये हार्दिक धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

राशनकार्ड सत्यापन एक सामान्य प्रक्रिया, प्रसारित भ्रामक व तथ्यों से परे खबरों का डीएम ने किया खण्डन

प्रखर गोरखपुर। जिलाधिकारी विजय किरन आनंद ने शासन व प्रदेश सरकार द्वारा राशन कार्ड सरेंडर करने अथवा उनके निरस्तीकरण के सम्बन्ध में कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है। मीडिया पर इस संबंध में प्रसारित भ्रामक व तथ्यों से परे खबरों का खण्डन करते हुए जिलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने कहा कि राशनकार्ड सत्यापन एक सामान्य प्रक्रिया है जो समय-समय पर चलती है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड सरेंडर करने और पात्रता की नई शर्तों के संबंध में आधारहीन प्रचार हो रहा है। सत्यता यह है कि पात्र गृहस्थी राशनकार्डों की पात्रता/अपात्रता के सम्बन्ध में सात अक्टूबर, 2014 के शासनादेश के मानक निर्धारित किए गए थे जिसमें वर्तमान में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनान्तर्गत आवंटित पक्का मकान, विद्युत कनेक्शन, एक मात्र शस्त्र लाइसेंस धारक, मोटर साइकिल स्वामी, मुर्गी पालन/गौ पालन होने के आधार पर किसी भी कार्डधारक को अपात्र घोषित नहीं किया जा सकता है। इसी प्रकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 तथा प्रचलित शासनादेशों में अपात्र कार्डधारकों से वसूली जैसी कोई व्यवस्था भी निर्धारित नहीं की गई है और रिकवरी के सम्बन्ध में शासन स्तर से अथवा खाद्यायुक्त कार्यालय से कोई भी निर्देश निर्गत नहीं किए गए हैं।

लखनऊ में सम्मानित किए गए युवा शायर ई. मिन्नत गोरखपुरी

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। उत्तर प्रदेश उर्दू एकेडमी गोमती नगर लखनऊ में एमएसके फिल्म प्रोड्यूसर व कवि दरबार एवं कारवाने-ए-इंसानियत के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में गोरखपुर शहर के युवा समाजसेवी,शायर व लेखक ई.मिन्नत गोरखपुरी को सामाजिक एवं साहित्यिक कार्यों में दिए जा रहे निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अंतर्राष्ट्रीय शायर फैज खुमार बाराबंकवि ने कहां की ई. मिन्नत गोरखपुरी जिस तरह युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए कार्य कर रहे हैं उसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी की धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता पाठक ने भी बधाई दी। मुशायरा एवं कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ के उस्ताद शायर रामप्रकाश बेखुद ने भी ई.मिन्नत गोरखपुरी की शायरी की तारीफ की और उन्हें सम्मान मिलने पर बधाई भी दी। सम्मान मिलने के बाद ई. मिन्नत गोरखपुरी ने इसे अपने आध्यात्मिक गुरु सौहार्द शिरोमणि डॉक्टर सौरभ पांडेय एवं इमामबाड़ा स्टेट के सज्जादा नशीन व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सदस्य सैयद अदनान फर्रुख अली शाह मियां साहब को समर्पित किया और साथ ही साथ कहा कि यह सिर्फ उनका सम्मान नहीं बल्कि समस्त गोरखपुर वासियों का सम्मान है ईश्वर का और अपने परिवार के सभी सदस्यों का और समस्त गोरखपुर वासियों का आभार व्यक्त किया।

हेलमेट पहनाकर पुलिस ने किया जागरूक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत सोमवार को फूलपुर पुलिस द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया और बिना हेलमेट के चल रहे बाइक सवार को हलमेट देकर उन्हें यातायात के नियमों से अवगत कराया गया। पिंडरा सीओ अभिषेक पाण्डेय व फूलपुर थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा ने सोमवार को अभ्युदय सेवा समिति के द्वारा प्रदत्त 2 दर्जन हेलमेट राहगीरों को स्वयं पहनाते हुए यातायात नियमो को बताया और कहाकि दोबारा बिना हेलमेट व गलती होने पर शख़्त कार्यवाई की चेतावनी दी। इस दौरान दिलीप दुबे, विशाल गुप्ता, अमिताभ दुबे, राजकुमार गुप्ता , जे पी पटेल, राहुल वर्मा समेत अनेक पुलिसकर्मी रहे।

समाज सुहेलदेव की जयंती पर दिखाए ताकत : राजकुमार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रांत स्तरीय महाराजा सुहेलदेव राजभर जयंती समारोह समिति की एक बैठक सोमवार को खालिसपुर स्थित सुहेलदेव राजभर पंचायत भवन पर हुई। इसमें आगामी 10 जून को आयोजित होने वाले प्रांत स्तरीय विजय दिवस समारोह भव्य ढंग से आयोजित करने और समाज को संगठित करने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के राजकुमार राजभर ने कहाकि आज भी राजभर समाज उपेक्षित है। उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के बाद भी राजभर समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं दिया । जिससे समाज विकास की मुख्यधारा में शामिल नहीं हो पाया। उन्होंने सुहेलदेव महाराज के आदर्शों और सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने के साथ समाज के सभी लोग एकजुट होकर होने का आह्वान किया। अध्यक्षता दिनेश राजभर और संचालन भरत भुआल राजभर ने किया । इस दौरान आनंद राजभर, अवधेश, अजीत, जयप्रकाश, सुरेंद्र, होरीलाल, लक्ष्मीराज , दिनेश , महेंद्र समेत राजभर समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्वर्गीय सुखदेई देवी की प्रथम पुण्य तिथि पर सोनकर धर्मशाला का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सामने घाट नगवां स्थित सोनकर धर्मशाला का उद्घाटन सुखदेई देवी की प्रथम पुण्य तिथि पर किया गया इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं उनके सुपुत्र सोभ नाथ सोनकर ने कहा की इस धर्मशाला का उपयोग आम जनमानस अपनी सुविधा के अनुसार कर सकते है और जो भी सुविधा स्व जातीय लोग एवं अन्य लोग लेना चाहते है वह धर्मशाला मे संपर्क कर सकते है धर्मशाला मे उद्घाटन मे मुख्य रूप से सोभ नाथ सोनकर, उषा सोनकर, शशिकांत सोनकर, स्वपनिल सोनकर, रेखा सोनकर, शिवानी सोनकर , कोमल सोनकर, स्नेहिल सोनकर, तृषा, आरँभ, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मदरसे के नाम पर न जमीन न भवन फिर भी चल रहा था एडेड मदरसा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सरैयां में स्थित मदरसा राशीदुल उलूम जो की उ0प्र0 सरकार द्वारा एडेड था । इस मदरसे की मान्यता उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ द्वारा मान्यता निलंबित कर दिया गया है । सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं पेशे से वकील सरैया के ही निवासी महफूज अंसारी ने उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ के रजिस्ट्रार को एक पत्र लिखकर शिकायत की थी की मदरसा राशीदुल उलूम सरकार के द्वारा बनायीं गयी गाईडलाईन से नहीं चल रही है । ये मदरसा जिस जगह चल रही है वो मेरे खानदान की संपत्ति है जिस पर आज भी मेरे परदादा स्व0 हाजी वफाति का नाम दर्ज है यह मदरसा दो जगहों पर चलता है जो दूसरे मोहल्ले में चल रही है वह संपत्ति वक्फ संपत्ति है जिसमे मदरसे के उपप्रबंधक सुल्तान अहमद जबरी कब्जा कर के चला रहे है । इसकी जाँच उ0 प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ ने मऊ के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को सोंपी ।उ0 प्र0 अशासकीय अरबी और फारसी मदरसा मान्यता प्रशासन और सेवा विनियमावली 2016 के भाग 1 के उक्त नियम 13 (1) के अंतर्गत परिषद कार्यालय के पत्रांग 1234/म0शि0 पा0 / आख्या / 2021-22 दि0 22/11/2021 को दिया गया था जिसमे जिला अल्पसंख्यक कल्यान अधिकारी मऊ ने जाँच कर अपनी जाँच आंख्या में शिकायतकर्ता महफूज अंसारी के आरोप को सही पाया ।

सूबे के मुखिया के गाइड लाइन की उड़ाई जा रही है खुलेआम धज्जिया

प्रखर विंध्याचल मिजार्पुर। मुख्यमंत्री के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जियां। अभी कुछ दिनों पहले नगर मजिस्ट्रेट व नगर क्षेत्राधिकारी द्वारा इन वाहन स्टैंडो पर अवैध वसूली में छ लोगों को पकड़ा गया था लेकिन आज वही शिलशिला जारी। मां विंध्यवासिनी धाम में वाहन स्टैंडो से अवैध वसूली जोरो पर नहीं रुक रहा है शोषण। वाहन स्टैंडो पर गुंडा व मवाली जैसे संचालन कर रहे।जिससे दर्शनार्थियों के साथ कर रहे है बदसुलूकी। आज भी वाहन स्टैण्ड संचालको के द्वारा कार,जीप का50से100रुपये लिए जा रहे है न ही रेट सूची लगाए है21मई को कंतित और बरतर से छः लोगो को थाना बिन्ध्याचल पुलिस हिरासत मे लिया था जिसे रात मे छोड़ दिया गया था।बिन्ध्याचल कस्बे मे दो दर्जन अवैध वाहन स्टैण्ड चल रहा है।

डीजे संग निकला गाजी मियां का बारात फिर लौट गई बारात नहीं हुई शादी

प्रखर मिजार्पुर। इस साल फिर से गाजी मियां का निकाह नहीं हो पाया। सोमवार सुबह इमामबाड़ा स्थित सैयद सालार मसऊद गाजी मियां के रौजे पर जब उनकी बारात पहुंची तो सालों पुरानी रवायत एक बार फिर दोहराई गई। घरातियों-बारातियों में कहासुनी हुई। शादी की रस्म बीच में छोड़कर बारात लौटा दी गई। निकाह अधूरा रह गया और शादी अगले साल तक के लिए टाल दी गई। गाजी मियां का उर्स रविवार को पूरे शान-ओ-शौकत से मनाया गया। सुबह से ही उनके आस्ताने पर खूब चहल-पहल रही। आस्ताने पर फातिहा पढ़ने वालों और मन्नतें मांगने वालों की जबरदस्त भीड़ थी। इसमें हर वर्ग और हर मजहब के लोग शामिल थे। फातिहा के साथ फूल-माला चढ़ाकर दूरदराज से आने वाले जाइरीन ने मुरादें मांगीं और मन्नतों की चादरें

चढ़ाईं। देर रात तक लोग वहां जुटे रहे और मुरादें मांगने का सिलसिला भी चलता रहा। सोमवार की भोर में रामबाग कसाई मुहल्ले से गाजी मियां की जब बारात निकली तो हर अकीदतमंद बाराती बनने के लिए बारात में शामिल हो गया। सजधज कर लोग बारात लेकर संकट मोचन, घंटाघर, त्रिमुहानी, नारघाट, बल्ली का अड्डा होते हुए बारात इमामबाड़ा स्थित गाजी मियां के रौजे पर पहुंचे। परंपरा के अनुसार निकाह टला और बारात लौट गई। गाजी मियां के अस्ताने पर लगे मेले में जमकर भीड़ उमड़ी। दूकानों पर महिलाओं की भीड़ लगी थी तो झूले और चरखी बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। खानपान और खिलौनों की दूकानों पर बच्चों की खासी भीड़ लगी हुई थी। उस्मान खां व फिरोज अहमद की देखरेख में लगाए गए इस गाजी मियां का उर्स साकुशल संपन्न हुआ।

खाड़ी देश भेजने वाले जालसाज दम्पत्ति पर मुकदमा दर्ज

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। रोजगार की चाहत में किसी की माँ ने अपने बेटे के रोजगार के लिए गहने गिरवी रखे, किसी बाप ने बेटे के लिए जमीन गिरवी रखी, किसी ने रुपये उधार लिए, किसी ने नात रिश्तेदार के आगे हाथ फैलाये मकसद सबका एक ही था।किसी तरह चार पैसे कमाने का रोजगार लग जाये। मगर इसी समाज मे ऐसे बेरोजगारों पर बाज की तरह नजर गड़ाए नटवरलाल भी बहुत पड़े हैं।जो ऐसे मौकों का फायदा उठाने में कोई कोर कसर नही छोड़ते। यहां भी वही हुआ है।कहीं बाहर से आकर राहुल सिंह अपनी पत्नी आरती के साथ कुछ माह पूर्व नगर क्षेत्र से कुछ ही दूर अक्खनसराय पेट्रोल पंप के सामने शक्ति टूर एण्ड ट्रावेल्स के नाम पर एक किराये के मकान में आफिस खोलते हैं।और खाड़ी, गल्फ देशों में बेरोजगारों को विदेश भेजने के पम्पलेट छपवा कर बांटते हैं।या यूं कहिये अपने शिकार को फंसाने के लिए दाना डालते हैं और युवाओ को ऐसे हसीन सपने दिखाते हैं की कोई भी बेरोजगार इनके झांसे में आजाये।हुआ भी यही विभिन्न जनपदों से लगभग दो सौ नौजवान बेरोजगारों से इस ठग दम्पत्ति ने 30 से 70 हजार रुपये प्रत्येक नौजवानों से विदेश भेजने के नाम पर जमा करवा लिए।कुल मिलाकर लगभग दो करोड़ रुपये इन ठगों ने वसूल लिए। और सभी को बीते शनिवार को वीजा और टिकट देने के लिए

सैकडों बेरोजगारों को बनाया था शिकार, ठगे थे करोडों रुपये, सोमवार को भी कोतवाली में डटे रहे भुगतभोगी

अपने ऑफिस पर बुलाया। जब सारे लोग विभिन्न जनपदों से पहुंचे ।और काफी इंतजार के बाद भी भुगतभोगियों को ट्रावेल्स संचालक नही मिला तो उनका माथा ठनका और ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों पर दबाव बनाना शुरू किया।मगर तबतक शायद बहुत देर हो चुकी थी।ठग दम्पत्ति इन बेरोजगारों का सारा रुपया लेकर फरार हो चुके थे।मामला बढ़ता देख किसी ने कोतवाली पुलिस को फोन किया।शनिवार की रात लगभग नौ बजे पहुंचे प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार आर्य ने किसी तरह समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया।और ऑफिस में काम करने वाले एक युवक एवं एक युवती को थाने ले आये। आरोपियों के प्राप्त आधार कार्ड पर जब पुलिस ने पता किया तो वह भी फर्जी निकला। रविवार को भी दूसरे दिन सड़क किनारे रात बिताने वाले बेरोजगारों को कोई ठोस अस्वासन या पैसे वापसी की उम्मीद नजर नही आई।मामला जब मीडिया की सुर्खियों में आया तो पुलिस भी सक्रिय हुई और तीसरे दिन सोमवार को संदीप कुमार प्रजापति पुत्र राजेन्द्र प्रजापति निवासी अक्खनसराय थाना शाहगंज की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने धारा 419,420, 406,467,468 के तहत राहुल कुमार सिंह एवं आरती सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज छानबीन और आरोपियों की खोजबीन में जुट गई। अब देखना यह है की 22 वीं सदी के इस ठग दम्पत्ति को पुलिस कब तक कानून की बेड़ियों में जकड़ पाएगी।और सैकड़ों बेरोजगार नौजवानों के जख्मो पर मरहम लग पाएगी।

बारात में गए खेतासराय के व्यापारी की बाइक चोरी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कस्बा के व्यापारी सुनील कुमार बरनवाल की बाइक बीती रात खुटहन थाना क्षेत्र के गांव से चोरी हो गई है। बाइक चोरी होने के बाद व्यापारी व उनके मित्रों ने काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चल सका। व्यापारी ने रात में ही यूपी डायल 112 को फोन करने के बाद खुटहन पुलिस को सूचना दी है। नगर पंचायत खेतासराय कस्बा निवासी कपड़ा व्यापारी सुनील कुमार बरनवाल अपने मित्र पोरई कला निवासी शिवाकांत चौरसिया के साथ अपनी कालेरंग की हीरो एच एफ बाइक नम्बर यूपी 62 बीवी,1146 लेकर बीती रात आठ बजे खुटहन थाना क्षेत्र के सुइथाखुर्द गांव में बारात गए थे। शादी में जयमाला और भोजन के बाद जब वह घर चलने के लिए अपनी बाइक के पास पहुंचे तो वाहन नदारद देख हतप्रभ रह गए आखिरकार उन्होंने अपने दोस्तों और के माध्यम से रात में ही काफी खोजबीन की लेकिन बाइक के बारे में कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद यूपी डायल 112 को कॉल कर-के बुलाया पुलिस ने जांच के बाद खुटहन थाने ले जाकर व्यापारी से लिखित शिकायत ली और गाड़ी को खोजने के संबंध में भरोसा दिया।

प. दीनदयाल अस्पताल में भगवान भरोसे खुले सीवर टंकी के ऊपर घायल अवस्था में पड़ा वृद्ध व्यक्ति देखने वाला कोई नहीं

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय परिसर में स्थित पूर्व वाहन स्टैण्ड में खुले सीवर टंकी के ऊपर घायल अवस्था में एक वृध्द व्यक्ति लावारिस हालत में पड़ा हुआ है अस्पताल परिसर में कर्मचारियों से पूछा गया यह व्यक्ति यहां कब से पड़े है इनका क्या नाम है तो बताया गया की हमें मालूम नहीं है सबसे हैरत की बात यह है की जिस जगह वृध्द व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है वहीं मात्र कुछ कदम की दूरी पर ट्रामा सेंटर है यहां पर से जहां काफी लोगो का आना जाना लगा रहता है जिसमें अस्पताल के कर्मचारी ,स्टाफ ,नर्स इत्यादि लोगो का भी आना जाना लगा रहता लेकिन इसके बावजूद भी खुले सीवर टंकी के ऊपर पड़ा वृध्द व्यक्ति को देखने वाला कोई भी नहीं वह तड़प तड़प कर दिन गुजार रहा लेकिन किसी को कोई फर्क नहीं सब देखकर भी अनजान बने हुए है।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं के नियमित टीकाकरण को लेकर हुआ वर्कशॉप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नियमित टीकाकरण जो प्रत्येक बुधवार और शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा गर्भवती और छोटे बच्चे को निशुल्क लगाया जाता है। जो उन्हें कई तरह के बीमारियों से भी बचाता है। इसी को लेकर सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में नियमित टीकाकरण रिव्यू मीटिंग व कार्यशाला का आयोजन एसीएमओ डॉक्टर के.के. वर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 2022-23 की कार्य योजना की तैयारी एवं अधुनान्तिकरन पर चर्चा किया गया। इस दौरान एचएमआईएस डाटा पर भी ब्रीफिंग किया गया। एसीएमओ डॉ. के.के. वर्मा ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर आशा कार्यकर्ता के माध्यम से उनके क्षेत्र में कितने गर्भवती और छोटे बच्चे हैं, जिनका नियमित टीकाकरण किया जाना है, उसका आशा कार्यकर्ता के द्वारा 1 सप्ताह में 250 परिवारों का सर्वे करना है।

इसी को लेकर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। वही आज के इस कार्यशाला के बाद समस्त ब्लॉकों पर कार्य योजना के अनुसार 24 से 27 मई तक एएनएम, आशा के साथ बैठक करना है। जिसके बाद 28 मई से 3 जून तक आशा कार्यकताओं के द्वारा सर्वे करना, 4 से 5 जून तक माइक्रोप्लान को अपडेट करना और 6 जून को माइक्रो प्लान को सबमिट कर जिला मुख्यालय को प्रेषित करना है। इस दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि टीकाकरण विभिन्न गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। जिस बच्चे का टीकाकरण न हुआ हो वह अत्यधिक बीमार हो सकता है, स्थायी रूप से अक्षम या कुपोषित भी हो सकता है। टीकाकरण बचपन की सबसे अधिक गंभीर बीमारियों से बच्चों को सुरक्षा प्रदान करता है। अक्षम बच्चों समेत सभी बच्चों को टीकाकृत करवाने की जरूरत होती है। एक बच्चा जिसे इंजेक्शन या दवा पिलाई गई हो, टीकाकृत माना जाता है। टीके बीमारियों के खिलाफ बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। टीकाकरण केवल तभी काम करता है जब वह बीमारी के होने से पहले दिया गया हो। जो बच्चा टीकाकृत न हो, वह खसरे, कुकर खांसी और अन्य बीमारियों से ग्रसित हो सकता है, जिससे उसकी मृत्यु भी हो सकती है। जो बच्चे इन बीमारियों से ग्रस्त होते हैं वे कमजोर हो जाते हैं। वही गर्भवती को गर्भावस्था से पहले या उसके दौरान टिटनेस टॉक्सिड की कम से कम दो खुराक न केवल महिला, बल्कि उसके नवजात शिशु को उसके शुरूआती हफ्ते में टिटनेस से सुरक्षा प्रदान करता है। आज के इस कार्यशाला में सभी ब्लॉकों के चिकित्सा अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम, एआरओ, कोल्ड चेन हैंडलर मौजूद रहे। वही इस वर्कशॉप को यूनिसेफ से अजय उपाध्याय, डब्ल्यूएचओ से विनय दुबे, यूएनडीपी, चाई के मणिशंकर और यूपीटीएसयू के तबरेज के द्वारा टेक्निकल सहयोग प्रदान किया गया।

पोखरे की भूमि पर अवैध कब्जे को ग्रामीणों का प्रदर्शन

प्रखर सहजनवा गोरखपुर सहजनवा तहसील क्षेत्र के कुर्सा गांव में भाजपा नेत्री द्वारा पोखरे तथा सरकारी भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने गांव पर प्रदर्शन किया। और प्रशासन से मांग किया किया कि मामले की जांच कराकर अवैध कब्जा हटाया जाय। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पर्वतराज उर्फ महंथ मिश्र ने आरोप लगाया कि भाजपा नेत्री द्वारा गांव के पोखरे की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। जिससे ग्रामीणों के घरों की जल निकासी बन्द हो चुकी है। इसके अलावा गांव में जो सरकारी भूमि है उस भूमि पर अवैध रूप से पक्का निर्माण कर कब्जा कर लिया है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा सीएम सहित उच्चधिकारियों से की गयी। लेकिन भाजपा नेत्री के दबाव में प्रशासन द्वारा अभी तक कोइ कार्रवाई नही किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि मामले की जांच कराकर सरकारी भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को हटाया जाय। नही तो ग्रामीण धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालो में उमाशंकर,तारकेश्वर,रमेश,विद्या देवी,सन्ध्या, सरस्वती,आनन्द रामानुज,रामरक्षा,बिहारी मिश्र,सत्यदेव,राजुअरुं पासवान,सागर आदेश उपाध्याय सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

महिला विकास मंच वाराणसी शाखा का हुआ शपथ ग्रहण

अध्यक्ष रीता गुप्ता, उपाध्यक्ष अनामिका, सचिव रेखा दत्ता, कोषाध्यक्ष संगीता गुप्ता को कॉलर पिन पहनाकर कराया गया शपथ ग्रहण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मैदागिन स्थित पड़ारकर स्मृति भवन के सभागार में महिला विकास मंच महिला विकास मंच के शपथ ग्रहण समारोह में रविवार को वाराणसी शाखा के नए पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया गया जिसमें महिला विकास मंच के वाराणसी शाखा का अध्यक्ष श्रीमती रीता गुप्ता को चुना गया। रीता गुप्ता को महिला विकास मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूणिमा एवं प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती नीतू जायसवाल ने कॉलर पिन पहनाकर उनको अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई साथ ही उपाध्यक्ष पद पर अनामिका ,सचिव रेखा दत्ता, कोषाध्यक्ष संगीता गुप्ता, संयोजक अनिकेत अग्रहरि एवं प्रवक्ता राजवीर सहित सभी पदाधिकारियों को भी कॉलर पिन पहनाकर शपथ ग्रहण कराया गया। समारोह का उद्घाटन महिला विकास मंच की राष्ट्रीय संरक्षक बीना मानवी एवं मुख्य अतिथि स्वच्छता संसद के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि स्वच्छता संसद के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। समाज में महिला हित के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता आए इसके लिए सरकार के प्रयास के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थानों का भी योगदान महत्वपूर्ण होता है। महिला विकास मंच महिला हित में कार्य करके समाज को न सिर्फ जागरूक कर रही है बल्कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य करके समाज में अच्छा संदेश दे रही है। राष्ट्रीय संरक्षक बीना मानवी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणिमा ने कहा कि महिला सुरक्षा ,अधिकार एवं उनकी जागरूकता के लिए हमारी संस्था महिला विकास मंच देश भर में कार्य कर रही है। अनेकों प्रदेशों एवं जिलों में संस्था की स्थापना की जा चुकी है इसी कड़ी में रविवार को वाराणसी शाखा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया है। संस्था का प्रयास है कि समाज के हर तबके की महिलाओं को बिना भेदभाव के उचित न्याय और अधिकार मिल सके इसके लिए हम हर जिले में महिला विकास मंच की स्थापना कर रहे हैं। नव निर्वाचित महिला विकास मंच की नव निर्वाचित अध्यक्ष रीता गुप्ता ने शपथ ग्रहण करने के बाद अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे और मेरी टीम को समाजहित में कार्य करने की जो जिम्मेदारी दी गयी है उसके लिए में लगातार प्रयासरत रहूंगी और कोशिश करूंगी कि वाराणसी शाखा अपने जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए महिला हित में कार्य करे। समारोह में महिला विकास मंच में प्रदेश एवं जिले स्तर पर उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले 21 पदाधिकारियों को सम्मान पत्र भेट कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष नीतू जासवाल ने किया धन्यवाद ज्ञापन रीता गुप्ता ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में वाराणसी सहित अन्य जिलों एवं प्रदेशों के पदाधिकारीगण शामिल हुए।

डीएम ने रोका पंचायत सहायकों का 1 दिन का मानदेय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की अति महत्वकांक्षी योजना आयुष्मान भारत जिसके लिए शासन के द्वारा 4 मई से 18 मई तक की विशेष आयुष्मान भारत पखवाडा चलाया गया। जिसमें जनपद गाजीपुर प्रदेश में प्रथम आया। वहीं अब जिलाधिकारी ने इस पखवाड़े को 31 मई तक बढ़ा दिया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा सके। जिसको लेकर वह प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जूम मीटिंग पर कार्यक्रम की समीक्षा भी कर रहे हैं। एसीएमओ डॉ. डी.पी. सिन्हा ने बताया कि रविवार की शाम उन्होंने जूम मीटिंग पर आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की समीक्षा किया। मीटिंग के दौरान उन्होंने सदर ब्लॉक के पंचायत सहायकों के द्वारा कार्ड बनाए जाने में रूचि नहीं लेने पर सदर ब्लाक के सभी पंचायत सहायकों का 1 दिन का मानदेय रोकने का आदेश दिया और साथ ही चिकित्सा अधीक्षक कासिमाबाद और वीडियो कासिमाबाद से आयुष्मान कार्ड कि प्रगति पर स्पष्टीकरण मांगा है।

आईटीआई कालेज में 184 युवाओं का हुआ कैम्पस सेलेक्शन

प्रखर दानगंज वाराणसी। चौबेपुर स्थित मार्कण्डेय ग्रुप आफ आईटीआई में चल रहे तीन दिवसीय रोजगार मेले के आखिरी दिन 27 बच्चों का चयन हुआ। आज रविवार साक्षात्कार व चयन की प्रक्रिया ऑनलाइन ऐप के माध्यम से हुई। चयन की प्रक्रिया मदरसन कंपनी बेंगलुरु कर्नाटक के तत्वाधान में आयोजित की गई इस रोजगार मेले में बच्चे काफी उत्साहित रहे मेले में संस्थान के पूर्ववर्ती छात्र एवं क्षेत्र के भी छात्रों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक श्री अपूर्व कुमार तिवारी ने बताया कि मेले में छात्रों के चयन से सुखद अनुभूति हुई। कोरोना महामारी के कारण बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने में सहायक होने के

कारण काफी संतोष मिला। निदेशक ने आगे कहा कि तीन दिवसीय मेले में कुल 4 कंपनियों ने बच्चों का साक्षात्कार लिया जिसमें कुल 350 बच्चे शामिल हुए तथा 184 बच्चों का चयन हुआ। इस मौके पर मनोज मौर्या, भोजनाथ प्रजापति, कवलेश तिवारी, सुरजीत सिंह, अजय यादव ,अजय सिंह, वकील यादव, हितेश ठाकुर व संस्थान के प्रबंधक अपूर्व कुमार तिवारी ने बच्चों के सेलेक्शन के बाद सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पुलिस अधीक्षक ने यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा आज 23 मई 2022 की सुबह 7.30 बजे यातायात जागरूकता अभियान के तहत राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की छात्राओं तथा विद्यालय की एनसीसी कैडेट्स के साथ कोतवाली शहर क्षेत्र में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया तथा उन्हें रोड पर चलते वक्त यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया तथा उनसे अपने आस-पड़ोस के लोगों में यातायात नियमों

के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान बिना हेलमेट वाले दुपहिया वाहन चालकों को रोककर चालान किया गया तथा चार पहिया वाहनों के सीसे से काली फिल्म उतरवाई गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा रोड पर अवैध रूप से अतिक्रमण और गंदगी करने वाले दुकानदारों को भी सख्त हिदायत दी गई और रोड से कूडा और अतिक्रमण हटवाया गया।

ट्रांसफार्मर से 60 वर्षीय बुजुर्ग को करंट लगने से झुलस गई शरीर

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत ग्रामसभा पुंडा निवासी बालदत्त भट्ट गांव के किनारे मकान बनवा के रहते है,18 मई को उनके घर के सामने लगे हुए हाई पावर ट्रांसफार्मर से काफी बुरी तरह झुलस गए। बलदत्त के घर के सामने ढाई फिट की दूरी पे लगा जमीन से 2 फिट की ऊंचाई पे लगा ट्रांसफार्मर जो कई बार इंसानों और पशुओं के लिए प्राण घातक बन चुका है,जिसके लिए कई बार कंप्लेन विभाग में एवम नेता लोगो को सौंपी गई परंतु किसी ने कोई कदम नहीं उठाया, जिसकी वजह से पुनः ये घटना हो गई।

ग्रामीणों में पूरा आक्रोश है, विभाग के इंजीनियर ने आश्वासन दिया की शीघ्र उपाय होगा पर नहीं हुआ। बालदत्त भट्ट के घर के ऊपर से भी है टेंशन तार गया है,ऐसा गांव के कई घरों पे है, गांव के खंभों पे लगा तार भी खराब हो गया कई बार शिकायत किंगई परंतु किसी को जूं तक नहीं रेंगा।वोही गांव के लोगो ने विद्युत विभाग के जेई साहब से हाथ जोड़ के प्रार्थना भी किए लेकिन इसका अभी तक कोई उपाय नहीं किया गया, वहीं विद्युत विभाग के जेई साहब पर आक्रोशित हुए ग्रामीणों ने बताया की अगर ट्रांसफॉर्मर की जगह बदला नहीं गया और सुरक्षा लिए पर्याय ऊंचाई एवम घेरा नही बनाया गया तो इसकी शिकायत स्वयं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

परिवार संग गंगा नहाने गए युवक की डूबकर मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र पटकनियां गांव के गंगा घाट पर सोवमार की सुबह परिवार के संग नहाने गए एक युवक की डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुहवल क्षेत्र के पटकनिया गांव निवासी हरिनारायण सिंह का छोटा पुत्र धर्मेन्द्र सिंह गौतम (25वर्ष) सोमवार की सुबह अपने घर से मां-बहन व अन्य परिजनों के साथ गंगा स्नान करने गांव के ही गंगा घाट गया था। नहाते समय गहरे पानी में जाने से वह डूबने लगा। यह देख मौजूद लोगो ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह डूब गया। जानकारी होते ही वहा ग्रामीणों की भीड़ लग गई। स्थानीय मछुआरो की सहायता से उसे पानी से निकाला गया। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस अपने वाहन से युवक को जिला अस्पताल लाई, जहां डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क सुरक्षा प्लान बनाते समय इमरजेंसी प्लान बनाएं- डीएम

प्रखर गोरखपुर। जिलाधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि सड़क सुरक्षा शासन/प्रशासन की प्राथमिकताओं में से है। सड़क सुरक्षा प्लान बनाते समय इमरजेंसी प्लान भी तैयार किये जायें और 15 दिन के भीतर ब्लैक स्पाट की डिजीटल डायरी प्रस्तुत की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर रोड सुरक्षा कार्यों को प्रमुखता के आधार पर पूर्ण करें तथा स्मार्ट जंक्शन बनाये जायें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला परिवहन यान समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिये। उन्होंने कहा कि यह बैठक अति महत्वपूर्ण है अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता के साथ करें। स्कूली बच्चों को टेजफिक नियमों के विषय में जागरूक किया जाये। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों का सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने हेतु स्कूली वाहनों की मानक के अनुरूप स्वस्थ्यता की जांच अवश्य करायी जाये और स्कूली बच्चों की सुरक्षा हेतु यह आवश्यक है कि जो वाहन मानक के अनुरूप नही पाये जाये उनका संचालन प्रतिबंधित किया जाये। स्कूल प्रबंधन द्वारा स्कूल वाहन का संचालन मानक के अनुरूप और फिटनेस होने की दशा में ही किया जाये साथ ही बिना फिटनेस के स्कूल वाहन संचालित पाये जाने उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। ब्लैक स्पाट की चिन्हीकरण एवं सुधारात्मक कार्यवाही की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 16 ब्लैक स्पाट पर सुधारात्मक कार्यवाही कर दी गयी है तथा जनपद में 9 ब्लैक स्पाट चिन्हित किये गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि 16 ब्लैक स्पाट पर किये गये सुधारात्मक कार्यवाही के फोटोग्राफ्स तथा डायरी प्रस्तुत की जाये तथा चिन्हित 09 ब्लैक स्पाट की कार्य योजना शीघ्र तैयार की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों को सुगम यातायात के दृष्टिगत गढ़ामुक्त किया जाये ताकि सार्वजनिक परिवहन दुर्घटना विहीन एवं सहज बन सके। बताया गया कि जनपद में संचालित होने वाले प्राइवेट बसों हेतु बस स्टैण्ड के चिन्हीकरण के संबंध मे बताया गया कि 16 स्थल प्राइवेट बस स्टैण्ड हेतु चिन्हित किया गया है तथा इसकी ई-टेण्डरिंग की कार्यवाही भी की जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सड़क सुरक्षा विषय पर जागरूकता हेतु स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लाक एवं तहसील स्तर पर रोड सुरक्षा की बैठकें आयोजित की जाये तथा सुरक्षा के व्यापक प्रचार प्रसार कराने के साथ ही लोगो को जागरूक किया जाये ताकि वे स्वंय ही सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों के प्रति शासन के प्रयासों में सहभागी बन सकें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी, पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक डॉ महेंद्र पाल सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) से शिक्षक समस्याओं के समाधान के लिए किया वार्ता

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने एडी बेसिक को सौंपा ज्ञापन

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के नेतृत्व में जनपद में पदोन्नति एवं प्रोन्नत वेतनमान देने हेतु शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय से एक सप्ताह के भीतर जारी कराने हेतु जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देशित करने के लिए मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक अवध किशोर सिंह जी से मिला और सकारात्मक वार्ता किया। जनपद में शिक्षकों की पदोन्नति को अपनी पहली प्राथमिकता बताते हुए मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक ने कहा कि वे जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को अति शीघ्र वरिष्ठता सूची एवं पदोन्नति हेतु रिक्तियों की सूची प्रकाशित करने के लिए निर्देशित करेंगे। वार्ता के दौरान जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति विश्वकर्मा, अनुराधा भार्गव ,आंचल पटेल प्रीती गुप्ता,प्रीति सिंह,कुमुद सिंह,रितु ओबराय, अमिताभ राय, चंद्रमोहन यादव,विजय गुप्ता,अजीत कुमार, राजकुमार, रामतीरथ पटेल, शैलेन्द्र

प्रकाश, सत्यप्रकाश पाल, राजन सिंह, संजीव त्रिपाठी, रमा रुखैयार,सुधारानी, आशा साधना श्रीवास्तव, शशिभूषण त्रिपाठी,सुरेखा गुप्ता, प्रशांत मोहन गिरी, धीरेन्द्र सिंह,सुशील कुमार, त्रिपाठी,अजय कुमार सहित राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकार ने रक्तदान कर दिया मानवीय सन्देश

प्रखर भलुअनी, देवरिया । गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड व इंटरनेशनल अवार्ड द्वारा सम्मानित रक्तदान के क्षेत्र में प्रमुखता से कार्य करने वाली सामाजिक संस्था स्वच्छ भलुअनी स्वस्थ भलुअनी यूथ ब्रिगेड के रक्तवीर सदस्य पत्रकार विकास गोड़ ने एक जरूरतमंद के लिये महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज ब्लड बैंक (देवरिया) में अपना पहला रक्तदान कर एक नेक और मानवीय कार्य किया । संस्था के वाट्सएप ग्रुप में एक जरूरतमंद को ब्लड की आवश्यकता की जानकारी मिलते ही विकास गोड़ ने स्वयं रक्तदान करने की इच्छा संस्था से जतायी और ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान करते हुये मरीज की जान बचाने में अपना योगदान दिया । उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़ने के बाद रक्तवीर सदस्यों को रक्तदान करते हुये देखकर प्रेरणा मिली और

आज एक जरूरतमंद के लिये रक्तदान कर सका । साथ ही उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर बहुत सारी गलतफहमियां लोंगों से सुनी थी जो आज दूर हो गयीं । रक्तदान के बाद बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है और हर स्वस्थ इंसान को भी रक्तदान करना चाहिये जिससे मरीजों की जान बचायी जा सके । विकास गोड़ ने बताया कि यूथ ब्रिगेड की आओ नशा नही रक्तदान करें मुहिम के तहत संस्था द्वारा यह कुल 169वां रक्तदान किया गया है । पूर्व में 168 यूनिट रक्तदान किया जा चुका था । रक्तवीर विकास गोड़ द्वारा किये गये रक्तदान के लिये मरीज के परिजनों ने आभार व्यक्त किया । इस दौरान ब्लड बैंक परामर्शदाता सुबोध पांडेय, एलटी तेजभान, एलटी रविप्रकाश धीरज राजभर विनय जयसवाल,सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

नई सुबह एक उम्मीद सामाजिक संस्था द्वारा किया गया अंधेरे से उजाले की ओर मुहिम का शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। नरिया वार्ड के हरिजन बस्ती में नई सुबह एक उम्मीद सामाजिक संस्था के द्वारा " अंधेरे से उजाले की ओर " मुहिम का शुभारंभ किया गया इसका संचालन संस्था अध्यक्ष ममता ने किया '*ममता ने बताया कि हमारी संस्था लगातार 4 वर्षों से हर मलिन बस्तियों में महिलाओं और लड़कियों मे नेतृत्व की क्षमता का विकास करने के लिए उनको जागरूक कर रही है 'इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आज महिलाओं को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने की एक मुहिम शुरू की गई है जिसके अंतर्गत शारीरिक ,मानसिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े हुए महिलाओं को समाज में सम्मानित स्थान दिलाने , अपने हक अधिकारियों के लिए खुद से आगे आने , गलत कार्यों के प्रति आवाज उठाने, अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने, अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने, तथा अपनी सुरक्षा स्वयं करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है 'इस मुहिम के अंतर्गत उपस्थित सभी लोगों को मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रयोग किए जाने वाले नंबरों को भी नोट करवाया गया ' इस जागरूकता कार्यक्रम में संस्था के विजय कुमार ,अनीश खान ,किरन देवी ,रहनुमा, बेबी यादव ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया 'बैठक के दौरान गुड़िया देवी , रेखा देवी रानी, गोदना देवी , पूनम भारती, सीमा देवी ,कबूतरा देवी, पिंकी देवी, राजकुमारी देवी, सुषमा देवी , आशा यादव आदि लोग उपस्थित रही।

पूर्व प्राचार्य पीजी कालेज के निधन पर शोक सभा का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। डॉ. समर बहादुर सिंह, प्रोफेसर-इतिहास तथा पूर्व प्राचार्य, पीजी कालेज गजीपुर एवं निवर्तमान प्राचार्य श्री कृष्ण गीता डिग्री कालेज, लालगंज-आजमगढ़ की स्मृति में कल रविवार सायं प्रख्यात चिंतक, विचारक, लेखक डॉ. पी.एन. सिंह के आवास पर श्रध्दांजलि सभा का आयोजन किया गया। गत 20 मई को प्रातः 4 बजे वाराणसी में डॉ. समर बहादुर सिंह की मृत्यु हो गयी। डॉ. सिंह पिछले कुछ माह से हृदय रोग और चेस्ट-इन्फेक्शन से ग्रस्त हो गए थे तथा वेदांता में डॉ. त्रेहान के चिकित्साधीन थे। डॉ. धर्मनारायण मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित इस श्रध्दांजलि सभा में प्रो. सदानंद शाही, जितेंद्र नाथ राय "घोष"जी, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. श्रीकांत पांडेय, डॉ. रामबदन सिंह, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. संतोष तिवारी, डॉ. बालेश्वर विक्रम, इरफान अहमद, प्रवीण तिवारी, प्रो. अजय राय, डॉ. निरंजन यादव, प्रमोद राय आदि ने स्व. समर बहादुर सिंह के प्रति अपने वक्तव्यों के माध्यम से श्रद्धासुमन अर्पित किया। डॉ. धर्म नारायण मिश्र ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में समकालीन सोच परिवार के होनहार सदस्य स्व. सिंह के आकस्मिक निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व की बारीक खूबियों का जिक्र करते हुए उन्हें एक कुशल प्रशासक तथा शिक्षक बताया। डॉ. सिंह इतिहास का विद्यार्थी और शिक्षक होते हुए भी साहित्यिक-सांस्कृतिक क्रियाकलापों में पूर्ण दक्षता पूर्वक प्रतिभाग करते थे। अंत में गतात्मा की शांति के लिए 2 मिनट मौन रखकर प्रार्थना की गई।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की मासिक बैठक महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर आयोजित हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 30 जून तक सदस्यता अभियान चलाने, 31जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर भव्य समारोह आयोजित करने, 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इस बैठक में अजय कुमार श्रीवास्तव को सदस्यता अभियान का संयोजक एवं चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव एवं शैल श्रीवास्तव को सह संयोजक मनोनीत किया गया। इस बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के प्रान्तीय उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव ने समाज से लगातार विलुप्त हो रही राजनैतिक चेतना को पुनजार्गृत करने एवं समाज के नौजवानों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने समाज के नौजवानों से दहेज के खिलाफ अलख जगाने की भी अपील किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थों के जमीर पर लगातार सुनियोजित हमले हो रहे हैं। हमारी उदारता को लोग हमारी कमजोरी समझ रहे हैं। हमें समाज की इस अवधारणा को संघर्ष के बल पर समाप्त करना होगा। इस बैठक में मुख्य रूप से शैल श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, परमानन्द श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, सुनील दत्त श्रीवास्तव, अरुण सहाय, मोहनलाल श्रीवास्तव कमल प्रकाश श्रीवास्तव, कौशल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव, सुधांशु, हिमांशु, हर्ष, आर्यन, प्रियांशु आदि उपस्थित थे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं